क्या सभी चीज़ें एक जैसे ही पकायी जाती है?

– हरी सब्जियाँ अच्छी तरह से धोकर काटकर खाना चाहिए।

– हरी सब्जियाँ और सब्जियों के टुकड़े करने के बाद धोने से उसके पौष्टिक पदार्थ नष्ट हो जाते हैं।

– चावल बनाने से पहले उसे ज्यादा नहीं धोना चाहिए।

– चावल बनाते समय उसका मांड नही निकलना चाहिए। अन्यथा उसके पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

– प्रतिदिन खाये जाने वाले भोजन में दाल, हरी सब्जियाँ ज़रूर होने चाहिए।

– हरी सब्जियाँ, दाल जैसी चीज़ें अधिक नहीं उबालना चाहिए।

– गाजर, शकरकंद, मूली, खीरा, प्याज़, हरी धनिया, पुदीना बिना पकाये खा सकते हैं।

मुख्य शब्द

1. आहार
2. पकाकर खायी जाने वाली
3. बिना पकाये खायी जाने वाली
4. पाचन
5. पकाने के बर्तन
6. पौष्टिक तत्व

हमने क्या सीखा

– आहार से हमें ऊर्जा मिलती है।

– पौधों एवं जीवों से हमें आहार प्राप्त होता है।

– कुछ आहार पदार्थ पकाकर और कुछ बिना पकाये खा सकते है।

– पकाने के कारण आहार स्वादिष्ट होता है। जल्दी से पचता भी है।

– सभी पदार्थ एक जैसे नहीं पकाये जाते।

– पकाने के लिए कुकर, ओवन आदि का उपयोग आधुनिक समय में तेजी से हो रहा है।

– सभी आहार पदार्थ एक जैसे नहीं बनाये जाते। उबालना, तलना, जलाना तरह–तरह से पकाया जाता है। इसके लिए अलग–अलग बर्तनों का इस्तेमाल भी होता है।

– पकाने से पहले हरी सब्जियाँ, सब्जियाँ अच्छी तरह से धोना चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. आहार न लेने से क्या होता है?
2. बिना पकाये खायी जाने वाली कुछ चीज़ों के उदाहरण बताओ।
3. निम्न लिखित का वर्गीकरण करते हुए तालिका में लिखो।

   – पूरी, सपोटा, खजूर, अंडा, भिंडी, मछली, बादाम, ईख, बैंगन, मौसंबी, खीर, नींबू का रस, आम, पालक, हरी धनिया, बादाम, मिर्ची, कच्चे केले, अमरूद, तरबूज़, आलू, प्याज़, सेम आदि।

पकाकर खाने वाले	बिना पकाकर खाने वाले

4. वे पदार्थ जो पकाकर और बिना पकाये खा सकते हैं? उन्हें लिखो।
5. चावल, आटे से बनाये जाने वाले आहार पदार्थ कौन से हैं?
6. तुम्हारे घर में कौन–कौन से बर्तन हैं।

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. तुम्हारे घर में खाना किसमें बनाया जाता है।
2. तुम्हारे पसंद वाले चित्र उतारो, रंग भरो।

SCERT TELANGANA

सूचना कौशल – परियोजना कार्य

1. अपने किन्हीं तीन मित्रों से पिछली सुबह, दोपहर, शाम को क्या खाया होगा? तालिका में अंकन करो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	सुबह खाया	दोपहर को खाया	रात को खाया

– सभी खाने वाला आहार पदार्थ क्या है?

– रात में सबसे अधिक लोग क्या खाते हैं?

– सुबह न खाने वाले कितने लोग हैं?

2. तुम्हारे घर में चावल / दाल / सब्जी... इस तरह इनमें से कोई भी एक आहार पदार्थ कैसे बनाते हैं, ध्यान से देखो। किसके बाद क्या किया गया, एक चार्ट पर लिखकर कक्षा में प्रदर्शित करो।

प्रश्न करना

1. मेरी रजनी के घर गयी। उसकी माँ को खाना पकाते हुए देखा। रजनी की माँ से मेरी ने आहार पदार्थ के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। उसने कौन–कौन प्रश्न पूछे होंगे? रजनी की माँ ने सब्जियों के बारे में तरह–तरह की सूचनाएँ दी। उसने क्या उत्तर दिये होंगे, सोचकर लिखो।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	आहार क्यों खाना चाहिए, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	पकाकर खाने वाले आहार और बिना पकाकर खाये जाने वाले आहार के अंतर बता सक्ता हूं	हाँ / नहीं
3.	विभिन्न तरह के बर्तन, सब्जियों के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	खाना पकाने के क्रम के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	पौष्टिक तत्वों को नष्ट पहुँचाये बिना किस तरह पकाना चाहिए, बता सकता हूं।	हाँ / नहीं
6.	आहार पदार्थों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 2

8. आहार की आदतें
(Food Habits)

दशहरे की छुट्टियों में पाठशाला के सभी छात्र भ्रमणयात्रा के लिए हैदराबद गये। वहाँ पर अलग–अलग प्रांतों से आये हुए बच्चों से मुलाकात हुई। उन सभी में दोस्ती हुई। चिड़ियाघर में अनेक प्रकार के जानवरों को देख रहे थे। दोपहर होने पर सभी बच्चे एक जगह पर इकट्ठा हुए। घर से लाये हुए टिफिन के डब्बे निकालकर खाने लगे। वे क्या खा रहे हैं, देखेंते हैं न!

आपने जाना कि किस प्रांत में लोग क्या–क्या खाते हैं,
अब बताओ तुम्हारे प्रांत में क्या खाते हैं?

SCERT TELANGANA

हमारे राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों, जंगलों में रहने वाले जंगल में पाये जाने वाले तरह–तरह के कंदमूल, अमरूद, आँवला, जाम, बेर आदि खाते हैं। वहाँ उपजाये जाने वाली फसल, मिलने वाले आहार पदार्थ के आधार पर उनकी आहारिक आदतें होती हैं।

राजस्थान में जवार की फसल खूब होती है। वे जवार की रोटी खाते हैं। उसी तरह दिल्ली, गुजरात,मध्यप्रदेश आदि राज्यों में गेंहूँ से बनी रोटी, पूड़ी अधिक खाते हैं। तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश राज्यों में चावल अधिक खाते हैं। केरल में चावल के साथ मछली भी खूब खाते हैं।

एक–एक प्रांत में एक–एक तरह की आहारिक आदतें होती हैं। उसी तरह अलग–अलग संदर्भों में अलग–अलग तरह की फसलें पैदा कर खाते हैं। त्यौहार, शादी, जन्मदिन, क्षेत्रीय त्यौहारों के समय अलग–अलग तरह के पकवान बनाये जाते हैं।

कब कौन से क्या पकवान खाये जाते हैं, लिखो।

त्यौहार/ शादी/ विशेष संदर्भ	पकाये जाने वाले विभिन्न तरह के पकवान

तुम्हारे मित्रों से पूछो कि वे कौन–कौन से पकवान बनाकर खाते हैं।

सभी बच्चे खाना खाने के बाद जानवर देखने लगे।

शरत : सुजाता! देखो वहाँ कबूतर किस तरह दाना खा रहे हैं।

सुजाता : हाँ, सभी कबूतर एक जगह इकट्ठा होकर दाना खा रहे हैं।

SCERT TELANGANA

रघु : अली! देखो वहाँ हाथी क्या खा रहा है कि

अली : बाप रे! हाथी बड़े-बड़े ईख खा रहे हैं। चलो बाकी जानवर भी देखते हैं।

तुम्हें जो जानवर पता हैं, वे क्या-क्या खाते हैं, बताओ।

पक्षी/जानवर के नाम	खाने वाले आहार
गाय	घास

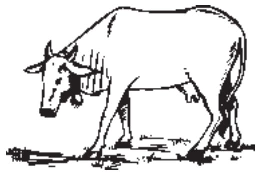

हमारे चारों ओर अनेक तरह के जानवर, पक्षी पाये जाते हैं। हमारी तरह उन्हें भी आहार की आवश्यकता पड़ती है। सभी जानवर एक जैसे आहार नहीं खाते। उनके भी तरह-तरह के आहारिक आदत होते हैं। पक्षी, जानवर तरह-तरह के आहार खाते हैं। दाने, बीज, मांस, दूध, शहद इस तरह अलग-अलग तरह के आहार पदार्थ खाते हैं।

SCERT TELANGANA

सोनी के घर में उसकी माँ, पिता, भैया रहते हैं। वे किस तरह भोजन कर रहे हैं, देखिये।

रंगय्या के घर में माँ, पिता जी के साथ–साथ मामाजी भी रहते हैं। वे किस तरह भोजन कर रहे हैं, देखिए।

उक्त दोनों चित्रों को देखो! सोनी के घरवाले किस तरह भोजन कर रहे हैं? रंगय्या के घरवाले किस तरह भोजन कर रहे हैं? किस तरह का भोजन करना ठीक होता है और क्यों?

परिवार के सभी सदस्य मिलकर खाते हैं,मिलकर क्यों खाना चाहिए?

त्यौहार के दिन सोनी के घर मेहमान आये। सभी मेहमानों को एक साथ भोजन परोसा गया। इन्हें सोनी के भैया और पिताजी ने खाना परोसा। उस चित्र को देखो।

उक्त चित्र की तरह कब–कब इतने सारे लोग मिलकर खाते हैं?

अधिक लोग मिलकर खाने पर तुम क्या–क्या काम करते हो?

साधारणतया शादी, जन्मदिन, त्योहारों के संदर्भ में सभी मिलकर खाते हैं। मिलकर खाने से हम सभी एक हैं, ऐसी भावना का विकास होता है।

सभी सब कुछ खा सकते हैं?

महेश पाठशाला से घर आते समय जलायी हुए मकई खरीदकर लाया। घर में आते ही झूले में सोये हुए भाई को मकई के दाने खिलाने लगा। माँ ने कहा कि छोटे बच्चों को मकई के दाने नहीं खिलाना चाहिए। तो ठीक है मैं जाकर दादाजी को खिलाता हूँ कहकर वह दादाजी के पास दौड़ा। मकई खाइये दादाजी – महेश ने कहा। दादाजी ने कहा– मैं नहीं खा सकता।

भाई को मकई नहीं खिलाना चाहिए, ऐसा माँ ने क्यों कहा?

दादाजी मकई के दाने क्यों नहीं खा सकते थे?

तुम्हारे घर में मकई के दाने कौन–कौन खा सकते है?

SCERT TELANGANA

छोटे बच्चे, बूढ़े लोग क्या नहीं खा सकते? बूढ़े लोग क्या खा सकते हैं? छोटे बच्चे क्या खा सकते हैं?

	खाये सकते हैं	नहीं खा सकते हैं।
छोटे बच्चे		
बूढ़े		
अन्य		

छोटे बच्चों के दाँत नहीं होते। चबाकर नहीं खा सकते। उसी तरह बिना दाँत वाले बूढ़े चबा नहीं सकते। इस तरह आयु के आधार पर भी आहार पदार्थों की आदतें बदलती हैं। अच्छा भोजन लेना जितना ज़रूरी है, उतना ही अच्छी आदतें होना भी ज़रूरी है। खाने से पहले और खाने के बाद साबुन से हाथ–पैर धोने चाहिए। खाने के बाद उस स्थान को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए.

मुख्य शब्द

1. मिलकर खाना
2. आहार पदार्थ
3. आहार की आदतें
4. हाथ–पैर धोना

हमने क्या सीखा

- एक प्रांत की आहार की आदतें वहाँ उपजने वाले आहार पदार्थों पर निर्भर करती है।
- त्यौहारों, शादियों में विशेष पकवान बनाये जाते हैं।
- जीव–जंतुओं को भी आहार की आवश्यकता पड़ती है। इन्हें तरह–तरह की आहार की आदतें होती हैं।
- घर के सभी लोग मिलकर खाना चाहिए। इससे सभी लोग आवश्यकतानुसार भोजन करने की संभावना होती है। मिलकर खाने से खुशी मिलती है।
- आयु के अनुरूप आहार पदार्थ की आदतें बदलती रहती हैं।
- खाने से पहले साबुन से हाथ–पैर धो लेने चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. तुम्हारे प्राँत में कौन–कौन से आहार पदार्थ खाते हैं?
2. घाँस खाने वाले जानवर और दाने खाने वाले पक्षियों के उदाहरण दो।
3. तुम प्रति दिन साधारणतया क्या खाते हो? त्यौहारों के दिनों में क्या खाते हो?
4. कुत्ते की आहार आदतें और बकरी की आहार आदतों में क्या अंतर होते हैं?
5. सभी लोगों का मिलकर भोजन करना क्यों अच्छा होता है?
6. नीचे दी गयी आहार आदतें तुम्हें हैं तो √ लगाओ।

- भोजन करने से पहले, बाद में हाथ धोता हूँ। ☐
- खाने से पहले, बाद में थाली अच्छी तरह से धोता हूँ। ☐
- खाते समय आहार पदार्थ नीचे गिरने नहीं देता हूँ। ☐
- आहार पदार्थ वाले बर्तनों पर ढक्कन से ढकता हूँ। ☐
- आहार पदार्थ बेकार होने नहीं देता हूँ। ☐
- सड़क पर, गंदी जगहों पर बेचे जाने वाले पदार्थ न खरीदता हूँ, न खाता हूँ। ☐
- सभी के साथ मिलकर खाता हूँ। ☐

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिया चित्र देखो। उतारो। उसके बारे में लिखो।

SCERT TELANGANA

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. अपने किन्हीं पाँच मित्रों से पूछकर बताओ कि वे कब–कब मिलकर खाते हैं, उन पर √ लगाओ।

क्र. सं.	मित्र का नाम	कब मिलकर भोजन करते हैं?		
		सुबह	दोपहर	रात

किन–किन के घर में अधिक बार मिलकर खाते है? कब मिलकर खाते है?

प्रशंसा

1. तुम्हारी कक्षा में कौन–कौन हर दिन खाने से पहले हाथ–पैर धोते हैं? उसी तरह थाली में कुछ भी बिना बचे खाते हैं? भोजन किये हुए स्थान को साफ रखते हैं? तुम होते तो क्या करते?

प्रश्न करना

1. गोपी दोपहर पाठशाला में हाथ–पैर धोये बिना भोजन करने के लिए थाली लेकर पहुँचा। गोपी के मित्रों ने गोपी को हाथ–पैर धोने के लिए कहा। गोपी के मित्रों ने प्रश्न किये। वे क्या प्रश्न हो सकते हैं? क्या वे उचित हैं? तुम होते तो गोपी से क्या पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. प्राँतों के अनुरूप आहार की आदतें अलग होती हैं, इसका ज्ञान हुआ। हाँ/नहीं
2. जीव–जंतुओं की आहार की आदतों के बारे में बता सकता हूँ। हाँ/नहीं
3. घर के सभी लोग मिलकर खाने से होने वाले लाभ के बारे में बता सकता हूँ। हाँ/नहीं
4. खाये जाने वाले आहार पदार्थों की तालिका बना सकता हूँ। हाँ/नहीं
5. अच्छी आहार आदतों के बारे में बता सकता हूँ, पालन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
6. आहार की आदत संबंधी प्रश्न पूछ सकता हूँ, बता सकता हूँ। हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

9. हमारा गाँव
(Our Village)

रंगापुरम के चारों ओर छोटे–छोटे पहाड़ हैं। गाँव के समीप नदी बहती है। गाँव के लिए नदी का पानी ही एक मात्र सहारा है। गाँवों में घर पास–पास होते हैं। गाँव में पानी की टंकी है। नलों की सहायता से पानी छोड़ा जाता है। गाँव में अनेक तरह के काम करने वाले लोग रहते हैं। अब हम रंगापुर गाँव का चित्र देखते हैं।

इसे गाँव का चित्र कैसे कह सकते हैं?

उक्त चित्र के आधार पर बताओ गाँव किसे कहते हैं?

चित्र के बारे में बात करें?

SCERT TELANGANA

चित्र में आपने देखा कि रंगापुरम गाँव कैसा है? रंगापुरम गाँव में और क्या-क्या हैं नीचे दिये चित्र में देखकर बताओ।

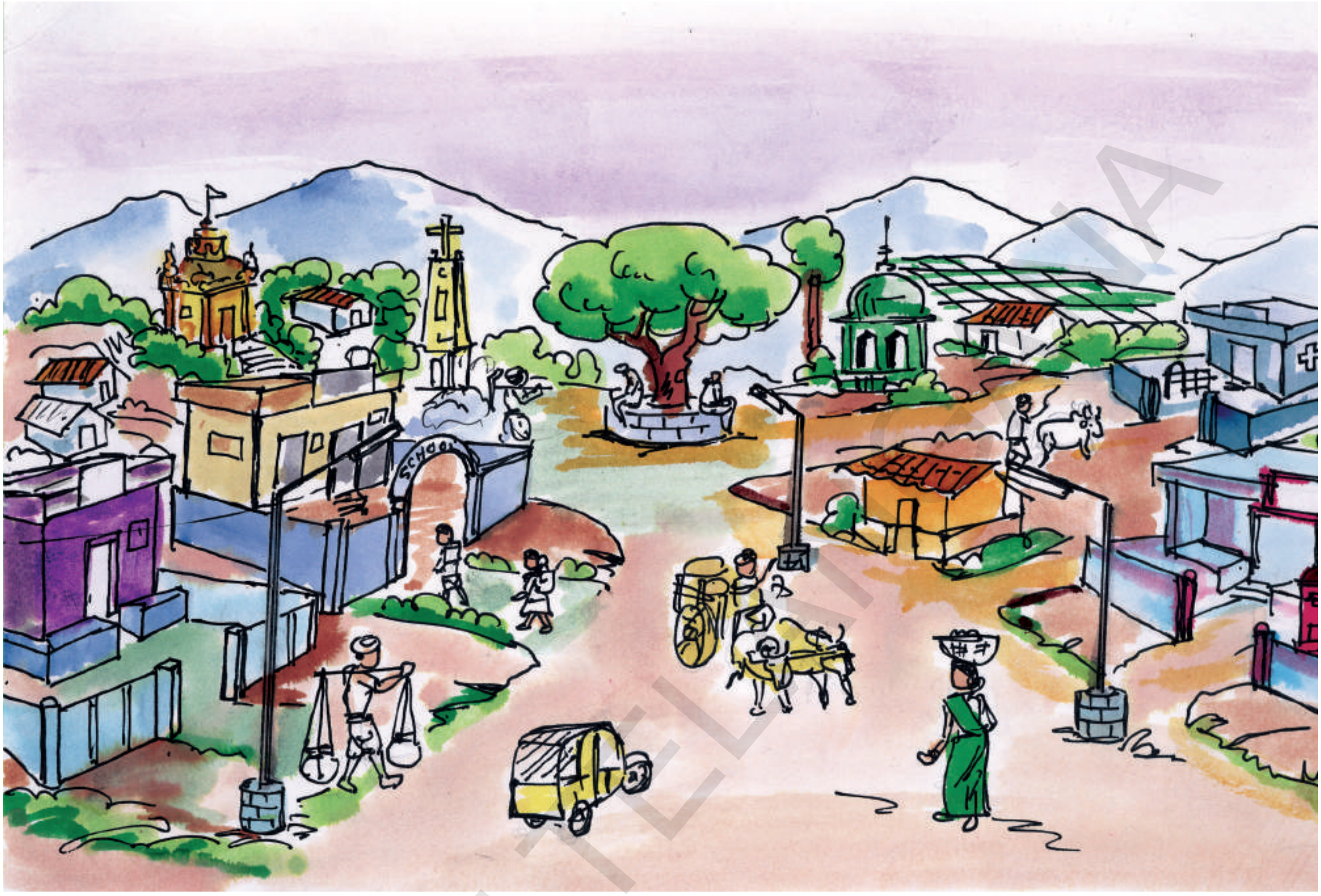

रंगापुरम गाँव में क्या-क्या है?

तुम्हारे गाँव में क्या-क्या हैं?

रंगापुरम गाँव में गलियाँ, तरह-तरह के घर, मंदिर, मस्जिद, चर्च, ग्राम पंचायत, प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र, पाठशाला, डाकखाना हैं क्या तुम इनके बारे में जानते हो?

ग्रामपंचायत कार्यालय/ग्राम सचिवालय

यह रंगापुरम ग्राम पंचायत कार्यालय है। ग्राम पंचायत पेयजल का प्रबंध, गलियाँ, नालियाँ साफ़ करना, गलि की लाइटों की व्यवस्था करता है।

तुम्हारे गाँव की पंचायत क्या-क्या करती है?

डाकघर

यह डाकघर है। इसके द्वारा पत्र भेजे जाते हैं, जीवन बीमा आदि काम करते हैं।

क्या तुमने अपने गाँव का डाक डिब्बा देखा है? वहाँ क्या-क्या डाला जाता है? डाकबाबू क्या-क्या काम करते हैं? उनका नाम क्या है?

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

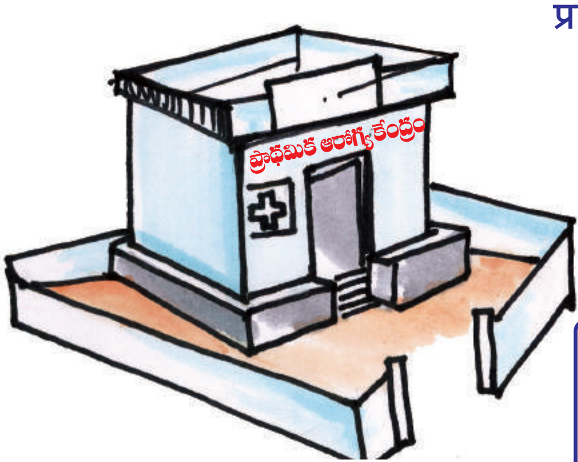

गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। इस केंद्र में डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मचारी रहते हैं। स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों को स्वास्थ्य संबंधी विषय के बारे में बताते हैं। पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। छोटे-छोटी बीमारियों के लिए दवा देते हैं।

तुम्हारे गाँव में पल्स पोलियो की बूँदें कौन पिलाता है?
तुम्हारे गाँव में क्या स्वास्थ्य केंद्र है? वह क्या-क्या काम करता है?

पशु चिकित्सालय

हम जिस तरह बीमार होने पर स्वास्थ्य केंद्र जाते हैं, उसी तरह पशुओं को बीमारी होने पर पशु चिकित्सालय ले जाते हैं।

पशुओं को कब-कब अस्पताल ले जाते हैं, पूछकर लिखो।
पशु चिकित्सालय न होने पर क्या होता?

बैंक

रंगापुरम गाँव में जनसंख्या अधिक होने के कारण ग्रामीण बैंक भी है। लोग अपने रुपये बैंक में जमा करते हैं। जनता की आवश्यकताओं के लिए बैंक ऋण भी देते हैं। उन्हें किश्तों में अदा करनी पड़ती है।

बड़े लोगों से पूछकर बैंकों से होने वाले अन्य लाभों के बारे में बताओ।

SCERT TELANGANA

पाठशाला

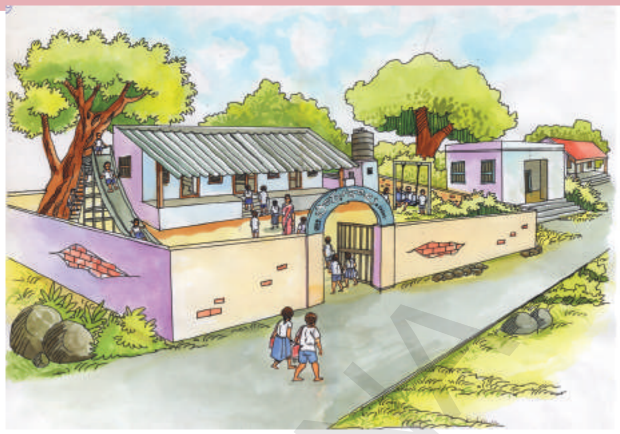

रंगापुरम गाँव में उच्च प्राथमिक पाठशाला भी है। यहाँ पर पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए पड़ोसी गाँव जाते हैं।

> पाठशाला न होने पर क्या होता है?
> तुम्हारे गाँव में आगे की पढ़ाई के लिए कहाँ जाते हैं?

पानी की टंकी

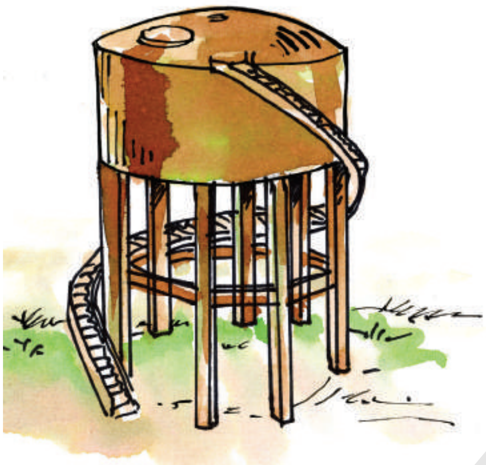

पानी की टंकी की सहायता से पानी नलों में छोड़ा जाता है। टंकी को सप्ताह में एक बार धोया जाता है। पानी में क्लोरिन मिलाकर शुद्धिकरण कर नलों में छोड़ा जाता है। पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। पानी बर्बाद होने पर, पाइपों से पानी के लीकेज होने पर तुरंत ग्राम सरपंच को इसकी सूचना देनी चाहिए।

> तुम्हारे गाँव में पानी कहाँ से लाया जाता है?
> पानी की टंकी के उपयोग क्या हैं?

पूजा स्थल

नीचे दिया चित्र देखो। यहाँ कौन-कौन जाते हैं? कब-कब जाते हैं?

इसी तरह तुम्हारे गाँव में क्या-क्या हैं? वहाँ कौन-कौन जाते हैं? कब-कब जाते हैं?

SCERT TELANGANA

रंगापुरम गाँव के यातायात साधन

हमें किसी गाँव जाना होता है तो कैसे जाते हैं। तो रंगापुरम की यातायात व्यवस्था के बारे में पता लगाये? रंगापुरम गाँव में कौन-कौन से वाहन हैं,बताइए।

SCERT TELANGANA

रंगापुर गाँव में सुबह-शाम बस आती है। नज़दीकी प्रांतों को ऑटों में जाते हैं। गाँव में किसान बैलगाड़ी का उपयोग खेती-बाड़ी के लिए करते हैं। छात्र आगे की पढ़ाई के लिए पड़ोसी गाँव बस में आते-जाते हैं।

> तुम्हारे गाँव में कौन-कौन से वाहन आते हैं?
> तुम्हारे गाँव के लोग किन-किन वाहनों में यात्रा करते हैं?

रंगापुरम गाँव में सामाजिक संस्थाओं, यातायात साधनों के बारे में आपने जानकारी प्राप्त की है!

क्या आप जानते हो उस गाँव के लोग क्या काम करते हैं? अधिकतर लोग कृषि करते हैं। कुछ लोग मज़दूरी करते हैं। और गाँव में तरह–तरह के काम करने वाले लोग जैसे कुम्हार, लुहार भी रहते हैं। उसी तरह गाँव में बहुत पढ़े–लिखे लोग, नौकरी करने वाले लोग भी रहते हैं। और कुछ लोग छोटी–छोटी दुकान लगाकर व्यापार करते हैं। पाठशाला की उम्र वाले बच्चे गाँव की पाठशाला में जाकर पढ़ते हैं। बड़े लड़के पड़ोसी गाँव की पाठशाला में जाकर पढ़ते हैं। गाँव की सभी महिलाएँ पढ़ी–लिखी हैं। वे भी किसी न किसी काम में लगकर कमाती हैं।

तुम्हारे गाँव में क्या–क्या काम करने वाले लोग रहते हैं?

रंगापुरम गाँव में क्या–क्या हैं, इसके बारे में तुम्हें पता चल ही गया होगा। ऐसी सुविधाएँ सभी गाँवों में नहीं हो सकती। सभी गाँवों में ऐसी सुविधाएँ होने पर ही गाँव का विकास हो सकता है।

मुख्य शब्द

1.	गाँव	2.	ग्राम पंचायत	3.	बैंक
4.	पशु चिकित्सालय	5.	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	6.	डाकघर
7.	स्वास्थ्य कर्मचारी	8.	पूजा स्थल	9.	यातायात सुविधा
10.	सामाजिक संस्थाएँ	11.	जीवन बीमा	12.	पोलियो की बूँदें

हमने क्या सीखा

- साधारणतया गाँवों में ग्राम पंचायत, बैंक, पशु चिकित्सा केंद्र, पाठशाला, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डाकघर, मंदिर, मस्जिद, चर्च होते हैं।
- ग्राम पंचायत नाले साफ करना, गलियों में प्रकाश की व्यवस्था करना, कचरा साफ करना, पेयजल का प्रबंध करना जैसे काम करता है।
- गाँव में बैंक, पाठशाला, पशु चिकित्सालय, स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम पंचायत जैसी संस्थाओं के कारण कई लाभ होते हैं।
- गाँवों में यातायात की सुविधा होती है। विभिन्न तरह के यातायात साधन पाये जाते हैं।
- गाँवों में अलग–अलग तरह के काम करने वाले लोग रहते है।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो।

विषय की समझ

1. रंगापुरम गाँव में क्या–क्या है?
2. तुम्हारे गाँव/गली के पूजा स्थलों के नाम लिखो।
3. तुम्हारे गाँव में यदि पाठशाला नहीं होती तो क्या होता?
4. गाँव में बैंक होने से क्या लाभ होते हैं?
5. बैंक और डाकघर में क्या अंतर हैं, लिखो।

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. पाठशाला का चित्र उतारो। रंग भरो।

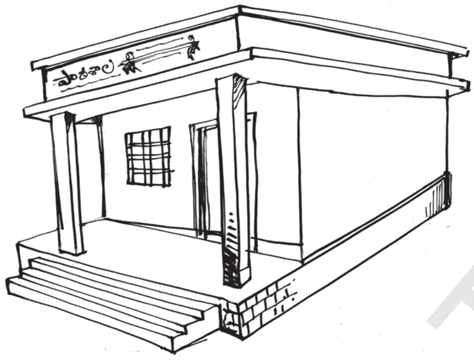

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

रंगापुरम गाँव में क्या–क्या हैं उन्हें नीचे दी गयी तालिका में लिखो। उसी तरह तुम्हारे गाँव में क्या–क्या हैं, लिखो।

क्र.सं.	रंगापुरम गाँव में हैं	तुम्हारे गाँव में हैं
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

SCERT TELANGANA

– रंगापुरम की कौनसी संस्थाएँ तुम्हारे गाँव में भी है?

– रंगापुरम गाँव में क्या–क्या हैं, तुम्हारे गाँव में क्या नहीं हैं?

– रंगापुरम गाँव में क्या नहीं हैं जो तुम्हारे गाँव में है?

3. तुम्हारे गाँव की सामाजिक संस्थाओं के बारे में पता लगाकर लिखो कि वे क्या–क्या काम करती हैं?

क्र. सं.	सामाजिक संस्थाएँ	उनके द्वारा किये जाने वाले काम

प्रशंसा

आपने जाना कि गाँव में बैंक, पाठशाला, डाकघर, चिकित्सालय आदि होने से क्या–क्या लाभ होते हैं, उन सेवाओं के बारे में तुम क्या सोचते हो?

प्रश्न करना

चिन्नय्या रंगापुरम गया। रंगापुरम के बारे में मालूम करना चाहा। इसके लिए वहाँ की पाठशाला में जाकर वहाँ अध्यापकों से गाँव के बारे में पूछा। उसने क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे? अध्यापक ने क्या–क्या उत्तर दिये होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.गाँव का अर्थ बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2. गाँव की सामाजिक संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले कामों के बारे में समझा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3. हमारे गाँव की संस्थाओं की जानकारी की तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4. गाँवों की संस्थाओ के उपयोगों के बारे में समझा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5. पाठशाला का चित्र उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6. गाँव के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

10. तरह–तरह के घर
(Different types of Houses)

हम सभी को रहने के लिए घर की आवश्यकता होती है। धूप, वर्षा, सर्दी, धूल, आदि से बचाव व सुरक्षित रहने के लिए घर में रहते हैं। हमारी तरह ही जीव–जंतु भी आवास बनाते हैं। क्या हमारे आवास सभी एक जैसे ही होते हैं? एक दिन शाम को खेती से माता–पिता के साथ मिलकर संतोष सरला के घर जा रहा था। सरला और संतोश ने सड़क के किनारे पर स्थित एक छोटे से पहाड़ पर चढ़कर गाँव के घरों की ओर देखा। वे किस तरह दिखायी दे रहे थे, कैसे–कैसे थे उसके बारे में पता लगाते हैं।

क्या सभी घर एक जैसे ही हैं? किस प्रकार के घर हैं?
गाँवों के सभी घर पास–पास ही हैं? या दूर–दूर हैं?

आपने देखा कि सरला के गाँव के घर कैसे हैं, गाँव में तरह–तरह के घर पास–पास ही होते हैं। क्या तुम्हारे गाँव में भी घर इसी तरह के होते हैं? तुम्हारे गाँव में किस प्रकार के घर हैं, लिखो। गाँवों में घर पास–पास होने से क्या लाभ हैं?

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

अस्थायी निवास

संतोष पाठशाला पहुँचा। जोसेफ ने देखा कि संतोष बड़ा चिंतित है। "तुम ऐसे क्यों हो" -जोसेफ ने पूछा। "रात को हवाई तूफ़ान आया था हमारी सभी झोपड़ियाँ गिर गयीं।" - संतोष ने कहा। "अब तुम कहाँ रहोगे?" - जोसेफ ने पूछा। "हमारे लिए गाँव के बाहर डेरे डाले गये हैं।"- संतोष ने कहा। क्या आपने कभी डेरा देखा है? कब देखा है? डेरे किस लिए डाले जाते हैं? सोचो और बताओ।

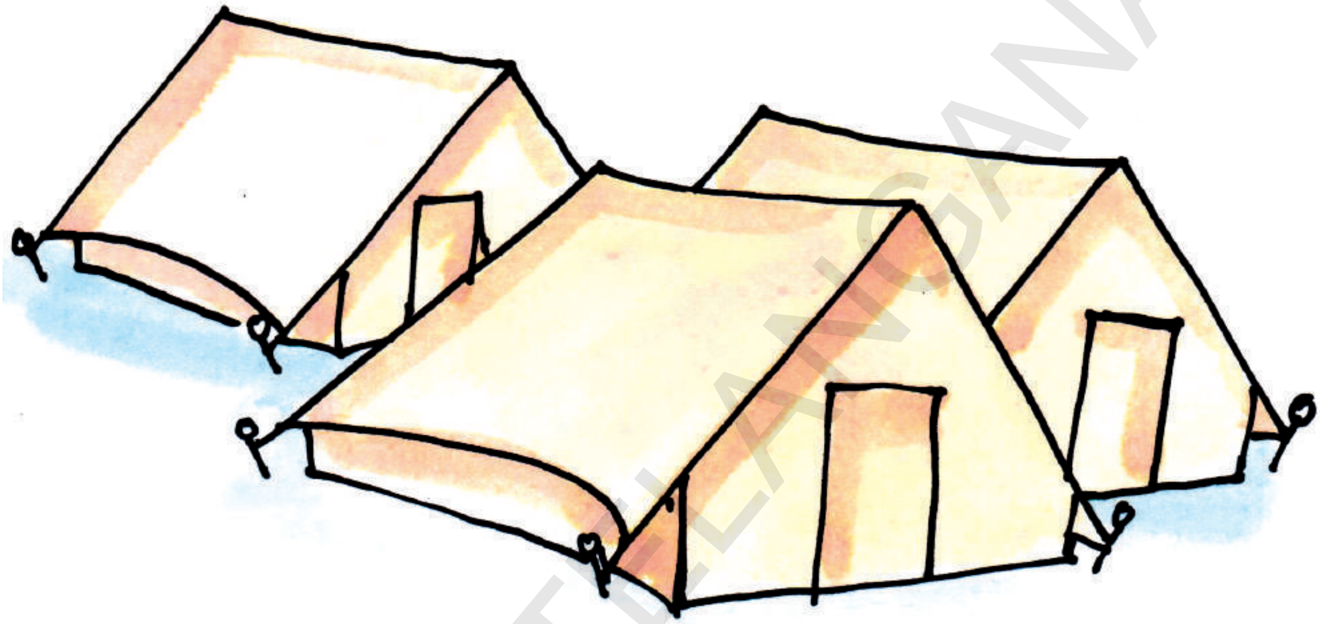

SCERT TELANGANA

गाँव–गाँव घूमने वाले, सरकस वाले अस्थायी निवास बनाते हैं। बाढ़, तूफ़ान, सुनामी, भूकंप, आगलगना जैसी घटनाएँ होने पर, घर से हाथ धो बैठे लोग अस्थायी निवास बनाते हैं।

संतोष अपने मामाजी की शादी के लिए शहर गया। सड़क किनारे बड़े–बड़े पाइपों को देखा। उसमें कुछ लोग आवास बनाकर रह रहे थे। वह देखकर संतोष को बड़ा आश्चर्य हुआ। इस तरह पाइपों में भी निवास किया जा सकता है? वह सोचने लगा। "लोग पाइपों में क्यों रहते हैं?" -उसने मामाजी से पूछा। उसके मामाजी ने उसे क्या जवाब दिया होगा, सोचकर बताओ।

डेरे, पाइपों में रहने वालों को क्या–क्या सुविधा नहीं होती सोचकर लिखो।

डेरे, पाइपों जैसे तात्कालिक आवासों में रहने वालों को कैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

आकाल पड़ने पर, गाँव में काम न होने पर कुछ लोग नौकरी के लिए शहर जाते हैं। इस तरह शहर जाने वाले लोगों को रहने के लिए घर नहीं होते। ऐसे कुछ लोग सड़क किनारे खाली स्थान दिखायी देने पर डेरे या झोपड़ी डालकर या पाइपों में अस्थायी आवास में रहते हैं।

संतोष ने शहर में बड़े–बड़े भवन देखे। "बाप रे! कितना बड़ा है!" मामाजी से पूछा कि इसमें कौन रहते हैं। शहर में स्थान की कमी होती है। इसीलिए सीमित स्थान में अधिक परिवारों के रहने के लिए ऐसे भवनों का निर्माण करते हैं। "इन्हें अपार्टमेंट कहते हैं", मामाजी ने संतोष को बताया।

क्या तुमने इस तरह के आवास देखे हैं?

शहर में अपार्टमेंट अधिक होते हैं। साधारणतया एक घर में एक परिवार रहता है। अपार्टमेंट में कई परिवार रहते हैं। इसी के अनुरूप अपार्टमेंट बनाते हैं। एक परिवार के रहने के लिए जो स्थान होता है, उसे फ्लैट कहते हैं।

एक अपार्टमेंट में लगभग 10 से 30 परिवार रहने के लिए फ्लैट होते हैं। बड़े नगरों में 100 फ्लैटों वाले अपार्टमेंट भी होते हैं।

SCERT TELANGANA

 तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

डेरे, पाइप, अपार्टमेंट के बारे में आपने जानकारी प्राप्त की! नीचे दिये चित्र देखो। इनमें से तुम्हारा घर कैसा हैं? बताओ।

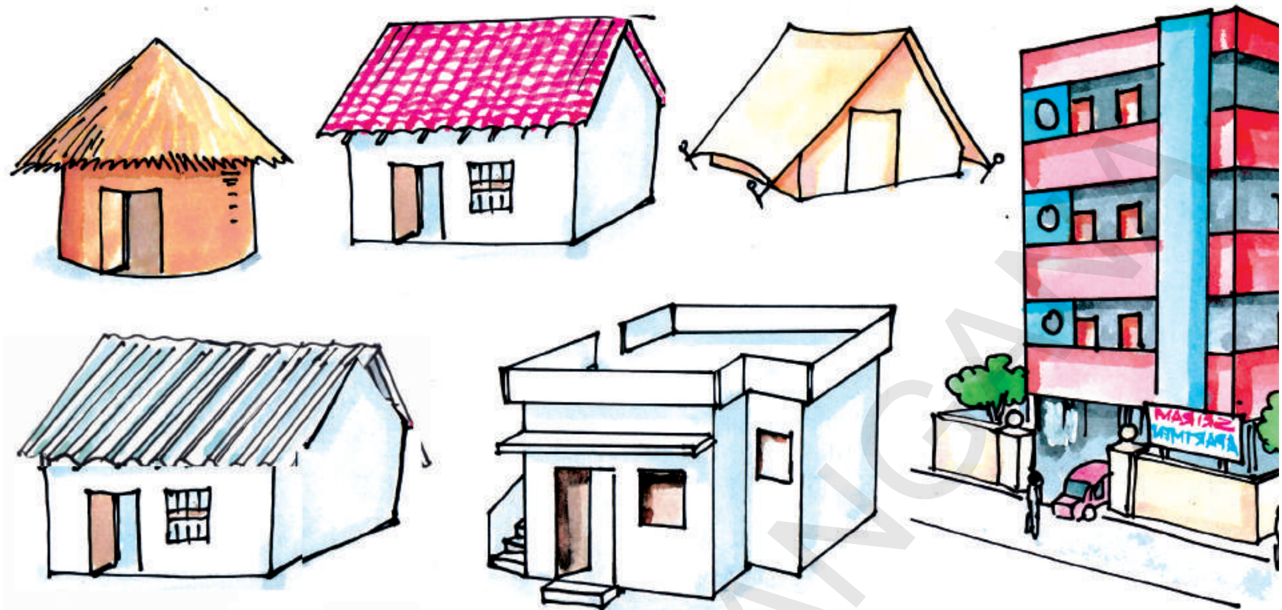

तुम्हारे मित्रों के रहने वाले घरों के बारे में उनसे पूछकर जानकारी प्राप्त करो। किस तरह के घर में रहते हैं, पता लगाकर नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

मित्र का नाम	घर का प्रकार
1	
2	
3	
4	
5	

तुम्हारी तरह ही मित्रों ने भी तालिका तैयार की है इसलिए उनसे पूछकर तुम्हारी कक्षा में कितने लोग किस तरह के घर में रहते हैं, मालूम करो। अधिक लोग किस तरह के घर में रहते हैं, बताओ।

तुम्हें पता है?

यह लकड़ी से बना घर है। ये भूकंपीय क्षेत्रों में अधिक होते हैं।

यह नावघर है। कश्मीर, केरल राज्यों में इस तरह के घर होते हैं।

यह 'इग्लू' है। बर्फीले प्रांतों में होते हैं। इन्हें बर्फ से बनाया जाता है।

SCERT TELANGANA

घर की छतें

घरों के बारे में मालूम हुआ न!

तुम्हें घर की छत के बारे में मालूम होगा ही। घर के ऊपरी हिस्से को घर की छत कहते हैं। कुछ छते नीचे दी गयी हैं, उन्हें देखो।

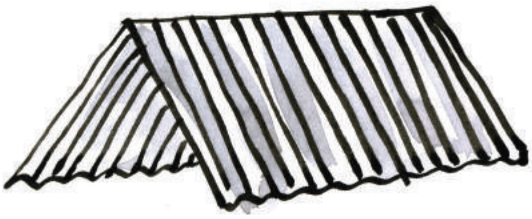

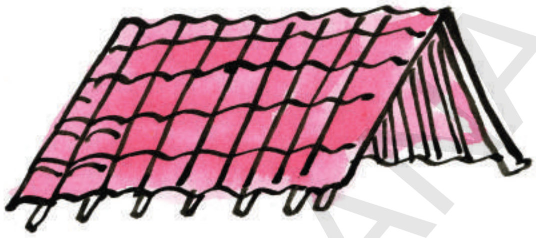

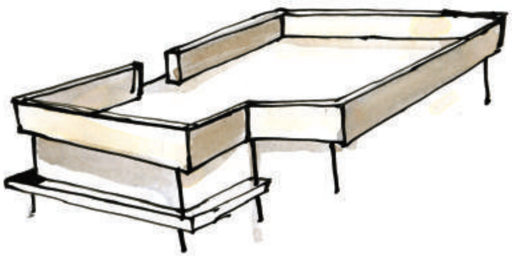

सभी घरों की छते एक जैसी हैं क्या? कुछ ढलानदार व कुछ मेज की आकार जैसे चौकोर होते हैं। तुम्हारे गाँव में घरों की अधिकतर छत कैसी होती हैं? बताओ।

> क्या आप जानते है घरों की छतें ढलानदार क्यों होती हैं? प्रयोग कीजिए।

करके देखो :

तीन टिन, तख्तियाँ या मोटे गत्ते जैसे अट्टे लो। एक जमीन पर रखो। दूसरे को ईंट के सहारे रखो। तीसरे को दो ईंटों से सटाकर रखो। इस तरह रखने पर कौनसा अधिक ढलानदार होता है?

ज़मीन पर रखी टिन

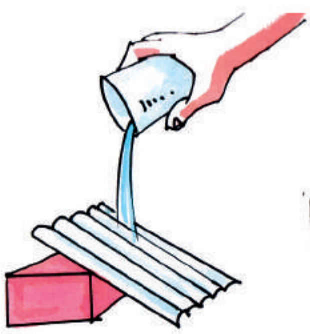

एक ईंट से सटाकर रखी हुई टिन

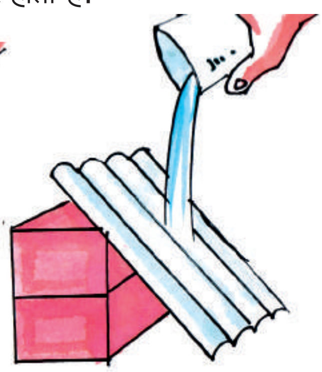

दो ईंटों से सटाकर रखी हुई टिन

SCERT TELANGANA

अब एक ग्लास में पानी लो। पहले वाले पर डालो। बाद में दूसरे वाले पर डालो। उसके बाद तीसरे वाले पर डालो। किस पर डाला गया पानी जल्दी से नीचे की ओर बह गया।

बताओ क्यों ?

घर की छत ढलानदार होने के कारण पानी जल्दी से नीचे की ओर चला गया। इसीलिए घरों की छतें ढलानदार बनाते हैं। इसके कारण बारिश के दिनों में बारिश होने पर पानी नीचे की ओर बह जाता है।

किंतु भवनों की छत ढलानदार नहीं होती है! बारीश का पानी नीचे कैसे आता है?

भवन, अपार्टमेंट की छत चौकोर दिखायी देने पर भी कुछ ढलानदार ही होती है। उस पर गिरने वाले बारीश के पानी को किसी एक कोने में जाने के लिए ढलानदार बनाया जाता है। वहाँ से पाइप या किसी छेद द्वारा पानी नीचे की ओर चला जाता है।

हमारे आवास तरह–तरह के होते हैं। उनमें खपरीले, झोपड़ियाँ, ढाबादार, टिन के घर जैसे अधिक होते हैं। ये सभी स्थायी आवास हैं। डेरे, पाइप जैसे अस्थाई आवासों में भी कुछ लोग रहते हैं। किंतु शहरों में अपार्टमेंट भी रहते हैं। उसी तरह कुछ प्रांतों में आवश्यकताओं के अनुरूप घरों का निर्माण करते हैं।

मुख्य शब्द

1.	तरह–तरह के घर	2.	घूमनेवाले	3.	अपार्टमेंट
4.	फ्लैट	5.	ढलानदार	6.	घरों की छतें
7.	इग्लू	8.	नावघर	9.	अस्थायी निवास

हमने क्या सीखा

– घास, खपरीले, टिन, ढाबा, बहुमंजिला इमारत वाले तरह–तरह के घर होते हैं।

– बाढ़, तूफान आने पर अस्थाई आवासों की व्यवस्था करते हैं। घूमने वाले, स्थानांतरित लोग डेरे जैसे अस्थायी आवास तैयार करते हैं।

– शहरों/नगरों में जिस तरह अपार्टमेंट में होते हैं, उसी तरह कुछ प्रांतों में बर्फ से बनाये घर, लकड़ी से बनाये घर, नावघर भी होते हैं।

– घरों की छतें ढलानदार होने के कारण बारीश का पानी तेजी से नीचे की ओर चला जाता है।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. नीचे दिये घरों में कौनसे अस्थायी आवास हैं? क्यों?
   डेरे, अपार्टमेंट, टिन की छत, पाइप आवास
2. तुम्हारे आवास प्रांत में पाये जाने वाले चार तरह के घरों के बारे में बताओ।
3. घरों की छतें ढलानदार क्यों होती हैं?
4. नीचे दिये गये घरों में क्या अंतर हैं, लिखो।

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।

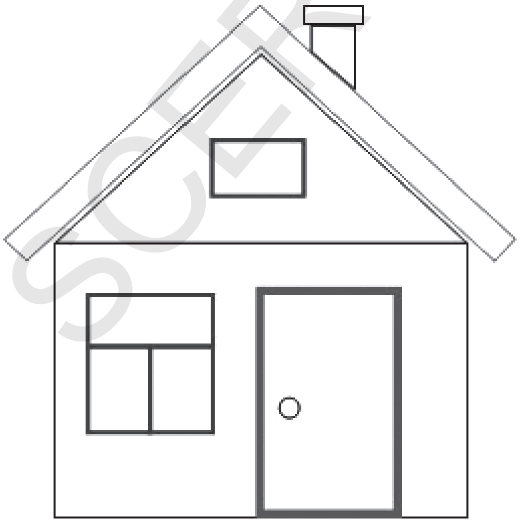

2. तुम्हारे घर का चित्र उतारकर रंग भरो। तुम्हारे घर के बारे में लिखो।

SCERT TELANGANA

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम्हारे घर के आस–पास के कुछ घर देखो। उनकी छतें कैसी हैं, नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

क्र. सं.	घर का प्रकार	घर की छत	
		चौकोर	ढलानदार
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

1. किस तरह के घर अधिक हैं? ....

2. घर की छतें कैसी हैं? ....

2. लकडि, कागज, गत्तों तथा घास का उपयोग करते हुए घर का नमूना बनाओ।

प्रशंसा

1. तंबुओं, डेरों में रहने वालों की हम किस प्रकार की सहायता कर सकते हैं? तुम उनकी क्या–क्या सहायता करते हो?

प्रश्न करना

1. संतोष ने हैदराबाद में, अपार्टमेंट और पाइपों में रहने वालों को देखा ! उनके बारे में संतोष ने मामाजी से तरह–तरह के प्रश्न पूछे। वे प्रश्न क्या–क्या हो सकते हैं? तुम होते तो क्या प्रश्न पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	तरह–तरह के घरों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	चौकोर और ढलानदार छतों के बीच अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	विभिन्न प्रकार के घरों के चित्र उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	घरों से संबंधित समाचार इकट्ठा कर तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	तरह–तरह के घरों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3 11. साफ़-सुथरा घर ही सुंदर घर
(Clean house is the beautiful house)

एक दिन रंगय्या अपने मित्र केशव से मिलने अपने बेटे मुरली के साथ इंद्रवेल्ली गाँव गया। वह एक आदिवासी गाँव था। उस गाँव में रंगय्या से परिचित कई लोग थे। रास्ते में सभी को अभिवादन करते हुए केशव के घर पहुँचा। "मुरली! यही केशव मामाजी का घर है।" यह घर कैसा है देखते हैं।

मामाजी का घर कितना सुंदर है ऐसा मुरली ने क्यों कहा?

घर की दीवारों पर क्या दिखायी दे रहा है?

क्या तुम्हारा घर भी इसी तरह है? या अलग है?

रंगय्या, मुरली चार दिन बाद वापस अपने गाँव लौटे। पाठशाला में मुरली की कक्षा में नया दाखिला लेने वाले जहाँगीर से अच्छी मित्रता हुई।

जहाँगीर, मुरली को अपने घर ले गया। घर के सामने फूल के पौधे देखकर कहने लगा कि वे कितने सुंदर हैं। जहाँगीर ने बताया कि मेरे घर के चारों ओर कई सारे पौधे हैं।

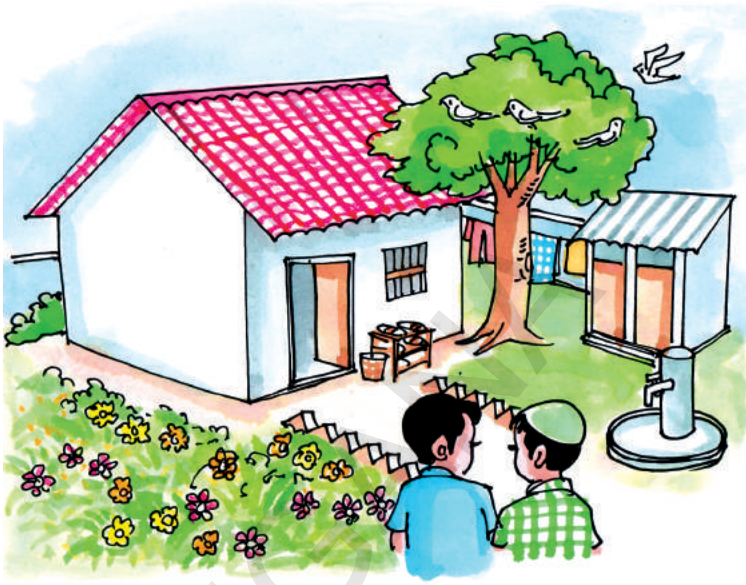

जहाँगीर के घर के सामने क्या-क्या हैं?

चप्पल कहाँ पर हैं?

जहाँगीर, मुरली दोनों घर के अंदर गये। जहाँगीर का घर देखकर मुरली बड़ा खुश हुआ। "तुम्हारा घर बड़ा सुंदर है।"-मुरली ने कहा। मुरली ने ऐसा क्यों कहा होगा?

घर में पुस्तक कहाँ पर हैं? कैसे हैं?

कपड़े कहाँ पर हैं?

घर की दीवारें कैसी हैं?

रविवार के दिन मुरली अपनी दीदी सरिता के साथ विजय के घर गया। विजय का घर इस तरह है।

विजय के घर के सामने फेंकी गयी प्लास्टिक थैलियाँ, बेकार कागज़ दिखायी दिये। मुरली, सरिता दोनों विजय के घर में गये। उन्हें विजय के घर के अंदर का दृश्य इस तरह दिखायी दिया।

विजय का घर कैसा है, देखा न! क्या घर इसी तरह से होना चाहिए। सोचो।

विजय के घर के सामने से क्या हटाना चाहिए? लिखिए?

घर के सामने वाले स्थान को किस तरह साफ रख सकते हैं? बताओ?

चप्पल कहाँ पर हैं? किस तरह रखना चाहिए।?

घर में मक्खी, मच्छर क्यों हैं?

कपड़े कहाँ है, कैसे रखना चाहिए?

पुस्तकें, खेल सामग्री कैसे हैं? अगर तुम होते तो कैसे रखते?

जहाँगीर, विजय के घरों में तुम्हें किसका घर पसंद आया? क्यों?

मुरली के माता–पिता, दीदी सभी मिलकर रिश्तेदार की शादी के लिए गाँव गये। एक सप्ताह बाद वापस लौट आये। उनका घर एक कमरे का है। घर लौटने पर देखा कि हवा के झोंको से सारा कचरा उनके आंगन में जमा हो गया। जमीन पर सभी जगह धूल ही धूल थी। झाड़ू से साफ कर कचरा एक कोने में जमा किया। पानी से कमरा साफ किया। सरिता, मुरली मिलकर कमरे में पुस्तकें एक कोने में रख दिये।

पौधों को पानी डाला गया। सरिता ने टीवी पर जमी धूल भी साफ की। मुरली के माता–पिता घर में रसोईघर का सामान जमा था। उन्होंने कैसे जमाया, उसके बारे में नीचे दिया गया चित्र देखो।

SCERT TELANGANA

मुरली, सरिता की तरह तुम भी घर में काम करते हो?

क्या तुम्हारे घर को साफ रखते हैं?

पढ़ने के बाद तुम्हारी पुस्तकें, कलम, पेंसिल कहाँ रखते हो

तुम्हारे कपड़े तुम्हीं जमाते हो? या कौन जमाता है?

घर में फटे कागज़ या जमा हुई धूल दिखायी देने पर तुम क्या करेगो?

थोड़े घर देखने लायक होते हैं। कुछ घर देखने पर ऐसा लगता है कि इसको और अच्छे तरीके से सजाया जा सकता है। और कुछ लोगों के घर देखने पर गंदे दिखायी पड़ते हैं। घास, खपरीले, ढाबा चाहे जैसे भी घर हो, घर की वस्तुओं को सुंदर ढंग से रखने पर सुंदर, सुविधाजनक दिखायी देते हैं। और आनंददायक भी होता हैं।

हमारे घरों में हर दिन जमा हुई गंदगी, कचरा, व्यर्थ पदार्थ न फेंककर उसे उसी तरह से रखने पर क्या होता है?

हर घर में थोड़ा–बहुत कचरा होता ही है। अपने घर के कचरे की सफाई कर घर को साफ–सुथरा रखना चाहिए। हमारे घर के कचरे, गंदगी, व्यर्थ पदार्थों को कहाँ फेंकना ठीक होता है?

निम्न चित्रों को देखें।

चित्र में कचरा कहाँ फेंका जा रहा है?

कचरा कहाँ फेंकना चाहिए?

तुम्हारे घर के कचरे को कहाँ फेंकते हो?

तुम्हारी गली में कचरा कब और कौन साफ करता है?

SCERT TELANGANA

घर में जमा कचरा, व्यर्थ पदार्थ उसी तरह छोड़ देने पर बदबू आती है। मक्खियाँ, मच्छर फैलते हैं। ऐसे घरों को देखने पर साफ–सुथरे नहीं दिखायी पड़ते। हमें चिड़चिड़ा बनाते हैं और स्वास्थ्य को बिगाड़ देते हैं। इसीलिए व्यर्थ पदार्थों को तुरंत हटाना चाहिए। घर को साफ़ सुथरा रखना चाहिए।

मुख्य शब्द

1. सुंदर घर
2. सामानों को सही जगह पर रखना
3. घर को साफ रखना
4. घर के व्यर्थ पदार्थ

हमने क्या सीखा

- घर को साफ रखने, घर की वस्तुएँ ठीक तरह से रखने पर घर सुंदर दिखायी पड़ता है।
- घर में वस्तुएँ ऐसे–वैसे फेंकने से घर स्वच्छ नहीं दिखायी पड़ता। यह असुविधाजनक भी होता है।
- घर को साफ रखने के लिए घर के कचरे को कचरा पेटी में डालना चाहिए।
- हमें घर को साफ रखने के लिए आवश्यक कार्यों में सहायता करनी चाहिए।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. घर किसके कारण साफ नहीं दिखायी पड़ते?
2. तुम अपने घर को साफ रखने के लिए क्या करते हो? वैसे चार कार्यों के बारे में लिखो।
3 .तुम्हारा घर साफ–सुथरा रखने के लिए प्रतिदिन तुम क्या करते हो उन पर √ लगाओ।
   - पुस्तकें जमाता हूँ। ☐
   - नींद से उठने के बाद बिस्तर जमाता हूँ। ☐
   - चप्पल हमेशा चप्पल के रखने की जगह पर ही रखता हूँ। ☐
   - धूल वाली जगह पर झाड़ू मारता हूँ या पोंछकर साफ करता हूँ। ☐
   - दीवारों के किनारे जमा होने वाले जाले साफ करता हूँ। ☐
   - पौधों को हर दिन पानी देता हूँ। ☐
   - घर का कचरा, कचरा पेटी में ही डालता हूँ। ☐
   - प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करता हूँ। ☐
4. इसी तरह घर में जमा गंदे पानी को कहाँ फेंकना चाहिए। नहीं तो क्या होता है?
5. साफ–सुथरा घर ही सुंदर घर होता है। क्यों?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो, रंग भरो

1. पाठ पढ़ो। पाठ में दिये गये सुंदर घर का चित्र बनाकर रंग भरो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

तुम अपने मित्रों के घर जाओ। उनके घर कैसे हैं देखकर निम्न तालिका में लिखो।

	मित्र का नाम	घर साफ है या नहीं?	क्यों?
1			
2			
3			
4			

किन–किन लोगों के घर साफ हैं? क्यों? किन–किन के घर स्वच्छ नहीं हैं क्यों घर साफ रखने लिए तुम्हें क्या करना चाहिए।

प्रशंसा

1. रवि शाम को पाठशाला से घर पहुँचा। घर के सामने चप्पल बिखरे पड़े हुए हैं। सूखने के लिए डाले गये कपड़े नीचे गिरे पड़े हैं। इन सबकी परवाह किये बिना पुस्तकों की थैली घर में छोड़कर खेलने चला गया। ऐसा करना सही है क्या? तुम होते तो क्या करते?

प्रश्न करना

2. मुरली, सरिता विजय के घर गये। उसका घर साफ–सुथरा नहीं है। बिना साफ–सफाई वाले घर को देखते हुए मुरली, सरिता ने विजय से कुछ प्रश्न पूछे? उन्होंने कौनसे प्रश्न पूछे होंगे? विजय ने क्या उत्तर दिये होंगे।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	साफ और अस्वच्छ घर के बीच अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	घर को साफ रखने में मैं भी सहायता करता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	किन–किन लोगों के घर सुंदर हैं? तालिका बनाकर समझा सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	सुंदर घर का चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	अस्वच्छ घर के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

12. चिकनी मिट्टी का कमाल
(Gems of Clay)

विनायक चतुर्थी का त्यौहार आया। गौतमी के घर में गणेश की मूर्ति का दरबार लगाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए दादाजी से गणेश की मूर्ति खरीदने के लिए कहा। गौतमी और दादाजी मिलकर खिलौने खरीदने बाज़ार गये। रास्ते में एक स्थान पर रंग-बिरंगे खिलौने दिखायी दिये।

गौतमी : दादाजी! वह टेलीफोन, रिमोट खिलौने देखिए न कितने सुंदर हैं!

दादाजी : वे प्लास्टिक से बनाये गये खिलौने हैं।

गौतमी : दादाजी इस खिलौने को देखिए न, कितना बारीक है।

दादाजी : ये लकड़ी से बने खिलौने हैं। हमारे राज्य के निर्मल, इन खिलौनों के लिए प्रसिद्ध है।

गौतमी : दादाजी! इन खिलौनों को देखिए न कितने सुंदर हैं! इन्हें खरीदिए दादाजी।

दादाजी : वे देखने में सुंदर है लेकिन वह प्लास्टर आफ़ पैरिस से बनाए गए। ये पर्यावरण को हानि पहुँचाते हैं। यह गणेश की मूर्ति देखो, ये चिकनी मिट्टी के बने खिलौने हैं। ये सबसे सस्ते और पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचाते है।

गौतमी को मिट्टी से बने खिलौने बहुत पसंद आये। उन्हें खरीदकर आगे बढ़े। थोड़ा आगे बढ़ने पर कई तरह के दीप दिखायी दिये। गौतमी ने कहा दादाजी! वे भी खरीदते हैं। "तुम्हें पता है ये भी मिट्टी के बने हैं!" दादाजी ने कहा। गौतमी को बड़ा आश्चर्य हुआ।

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें मालूम है?

SCERT TELANGANA

विनायक चतुर्थी त्योहार के लिए गणेश की मूर्ति मिट्टी से अथवा प्लास्टर आफ़ पैरिस से बनाते हैं। मिट्टी से बनी मूर्ति का ही उपयोग करे। क्योंकि मिट्टी के मूर्ति को पानी में डालन पर धुल जाएगी। जल प्रदूषण नहीं होगा।

मिट्टी से खिलौनों के अलावा और क्या-क्या बनाते हैं, बताओ।

नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें क्या कहते हैं? ये किससे तैयार किये जाते हैं पता है? किस लिए उपयोग करते हैं बताओ।

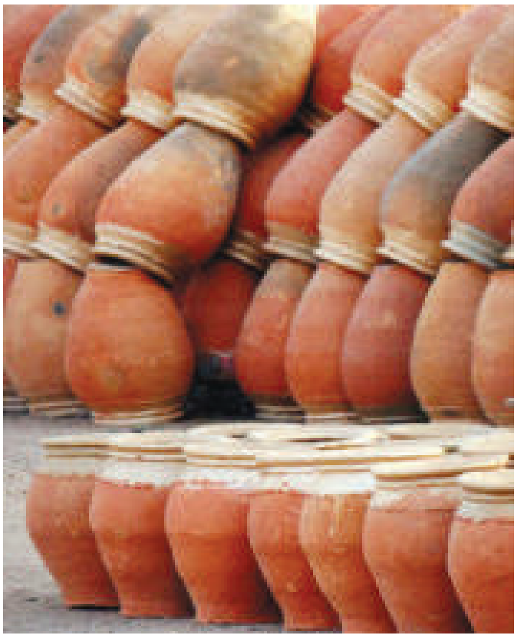

इस तरह की बनायी गयी वस्तुएँ क्या तुम्हारे घर में भी हैं? उनके नाम पता लगाकर बताओ।

हमने मिट्टी के द्वारा बनायी गयी वस्तुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

घड़े, सुराही, हंडी, आदि का इस्तेमाल पानी के पात्रों के रूप में होता है। गर्मियों के दिनों में इनमें रखा पानी ठंडा होता है। हमारे राज्य के आदिलाबाद जिले में तैयार होने वाले मिट्टी के पात्र (रंजन) बड़े प्रसिद्ध हैं। किंतु मिट्टी के पात्रों में चावल, जौ आदि भी रखा जाता है। पशुओं को पानी पीने के लिए मिट्टी के बड़े-बड़े पात्र भी बनाये जाते हैं।

दीपावली त्यौहार के दिन मिट्टी से बनाये गये दियों में दीप जलाये जाते हैं। मिट्टी के साथ कांच और लोहे के दियों में घर-घर रंगीन दीप जलाये जाते हैं। गमले में मिट्टी भरकर छोटे-छोटे पौधे लगाये जाते हैं। ये भी मिट्टी के बने होते हैं।

तुम्हें पता है इस तरह के मिट्टी के बर्तन, घड़े कौन तैयार करता है? राजय्या मिट्टी लाकर घड़े किस तरह बनाता है, नीचे दिये गये चित्रों से पता चलता है।

राजय्या घड़े बनाने के लिए मिट्टी लाता है।

चिकनी मिट्टी में पानी डालकर उसे पैर से खुंदलकर नरम बनाता है।

नरम मिट्टी लेकर कुम्हार चक्की पर रखकर घुमाता है। हाथ से घड़े का आकार बनाता है।

चक्की पर तैयार किये गये घड़े को सही आकार देने के लिए लकड़ी के टुकड़े से ठोकता है।

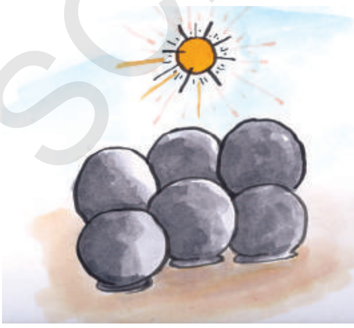

तैयार किये गये घड़ों को पहले छाया में और बाद में धूप में रखकर सुखाता है।

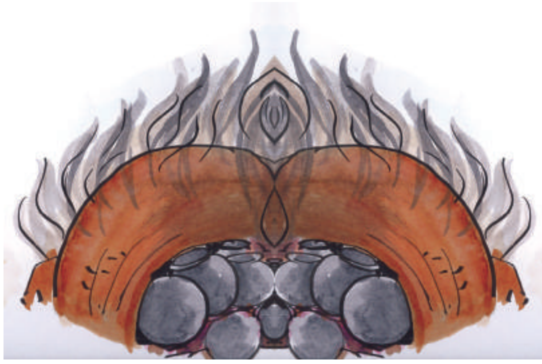

धूप में सुखाये गये घड़ों को बाद में आग की भट्टी में रखकर जलाता है।

SCERT TELANGANA

इस तरह तैयार किये गये घड़े, मटके, सुराही, गमले आदि बाज़ार में बेचे जाते हैं। घड़े खरीदते समय उस पर अंगुली से मारने पर टंग–टंग की आवाज़ आने पर खरीदते हैं। ऐसा क्यों करते हैं, सोचो।

मिट्टी के बर्तन बड़े अच्छे होते हैं। हमारे पूर्वज मिट्टी के बर्तनों का अधिक उपयोग करते थे। इनकी कीमत भी कम होती है।

मिट्टी से तरह–तरह की वस्तुएँ तैयार करते हैं। उसका हम उपोयग करते हैं। गौतमी एक बार अपने सगे–संबंधियों के घर गयी। उनके घर में तरह–तरह की वस्तुएँ देखीं। वे वस्तुएँ प्लास्टिक, अल्युमीनियम, मिट्टी, लोहा, स्टील, लकड़ी आदि से बनी थी। उसने किन–किन वस्तुओं को देखा होगा? वे किससे तैयार किये जाते हैं, तालिका में लिखो।

क्र. सं.	देखी गयी वस्तुएँ	वे जिनसे तैयार की गयी हों उन पर √ लगाओ।					
		स्टील	प्लास्टिक	अल्यु मीनियम	मिट्टी	लकड़ी	लोहा
1.	बाल्टी						

घरों में किसकी बनी वस्तुएँ अधिक इस्तेमाल करते हैं?

घरों में किसकी बनी वस्तुएँ कम इस्तेमाल करते हैं?

मिट्टी के बर्तनों का उपयोग क्यों कम हो गया है?

SCERT TELANGANA

वाह कितने अच्छे हैं!

गौतमी अपने सगे-संबंधियों के घर में तरह-तरह की सब्जियाँ और फलों को देखा। उसे बहुत अच्छे लगे। उसे लेकर देखा। आश्चर्यचकित रह गयी। पता हैं क्यों! वे सभी मिट्टी से बनी और रंगी हुई थीं। उन चित्रों को देखो। इन्हें तुम भी तैयार कर सकते हो। चिकनी मिट्टी में पानी मिलाकर, उसे नरम बनाओ। उससे सब्जियाँ, फल, खिलौने आदि तैयार करो। रंग भरो।

मुख्य शब्द

1.	खिलौनों का दरबार	2.	मिट्टी के खिलौने	3.	मिट्टी के बर्तन
4.	चिकनी मिट्टी कुम्हार	5.	चक्की	6.	लकड़ी का टुकड़ा

हमने क्या सीखा

- मिट्टी से घड़े, मटके, सुराही, गमले दीपक आदि तैयार किये जाते हैं।
- खिलौनों के दरबार में मिट्टी से बनाये खिलौने भी रखते हैं।
- गणेश चतुर्थी त्यौहार के समय मिट्टी से बनायी गयी गणेश कि मूर्तियाँ लगानी चाहिए।
- चिकनी मिट्टी से कुम्हार चक्की का उपयोग करते हुए घड़ों का निर्माण करता है।
- हमारे पूर्वज मिट्टी के बने बर्तनों का अधिक उपयोग करते थे।
- इस बीच मिट्टी के पात्रों का उपयोग कम हो गया है।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. मिट्टी से बनायी गयी वस्तुओं के कोई तीन उदाहरण दो।
2. स्टील, मिट्टी के बर्तनों के बीच के अंतर को लिखो।
3. तुम्हारे घर में मिट्टी से बनी कौन-कौन सी वस्तुएँ हैं? उनका उपयोग किसके लिए करते हैं?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो, रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो.

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. बाजार जाकर मिट्टी से बनी कौन–कौन सी वस्तुएँ बेची जा रही हैं, उनकी तालिका बनाओ। उसी तरह उनकी कीमत भी पता करो।

2. मिट्टी से तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, खिलौने तैयार करो। उनमें रंग भरो।

प्रशंसा

1. मिट्टी से तरह–तरह की वस्तुएँ, खिलौने बनाते हैं यह तुमने जान लिया है ना! इस तरह मिट्टी से बनायी वस्तुओं के उपयोग से होने वाले लाभ क्या हैं? मिट्टी से बनी वस्तुएँ तैयार करने वाले राजय्या जैसे लोग मिलने पर तुम उनकी किस तरह से प्रशंसा करोगे?

प्रश्न करना

1. तुम्हारी कक्षा में घड़े बनाने वाला राजय्या, खिलौने बनाने वाली सीतम्मा आये तो उन्हें क्या प्रश्न पूछोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	मिट्टी के बर्तन, अन्य बर्तनों के बीच साम्यता व अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	मिट्टी से घड़े कैसे तैयार कर सकते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	मिट्टी से तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, खिलौने तैयार कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	मिट्टी के बर्तन उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	मिट्टी से क्या–क्या वस्तुएँ तैयार कर सकते हैं, समझा सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	मिट्टी के बर्तनों, खिलौनों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

13. रंग–बिरंगे कपड़े
(Colourful Clothes)

माता–पिता के साथ मिलकर लक्ष्मी त्यौहार के लिए कपड़े खरीदने बाज़ार गयी। वहाँ उन्होंने दुकान में तरह–तरह के कपड़े देखे। लक्ष्मी के माता–पिता ने लक्ष्मी और उसके भैया के लिए भी कपड़े खरीदे। माता–पिता ने अपने लिए भी कपड़े खरीदे। लक्ष्मी के माता–पिता ने क्या–क्या कपड़े खरीदे होंगे सोचो और लिखो।

लक्ष्मी के लिए खरीदा गया	लक्ष्मी के भैया के लिए खरीदा गया	माँ के लिए खरीदा गया	पिता के लिए खरीदा गया

लक्ष्मी, उसका भैया तो छोटे हैं! उनके माता–पिता तो बड़े हैं! क्या इन सभी ने एक जैसे ही कपड़े खरीदे? या अलग–अलग कपड़े खरीदे? नीचे दिये चित्र देखो। इनमें बच्चे क्या पहनते हैं और बड़े क्या पहनते हैं? बताओ।

SCERT TELANGANA

छोटे बच्चों द्वारा और बड़ों के द्वारा पहने जाने वाले कपड़े अलग–अलग होते हैं ! तो फिर तुम्हारे घर में छोटे बच्चे, पुरुष, स्त्रियाँ पहनने वाले कपड़े कैसे होते हैं? नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

छोटे बच्चे पहनने वाले कपड़े	पुरुष पहनने वाले कपड़े	महिलाएँ पहनने वाले कपड़े

उक्त कपड़ों में तुम्हें कौन से कपड़े पसंद हैं? क्यों?

लक्ष्मी नया फ्राक पहनकर मेरी के घर गयी। यह फ्राक बहुत अच्छा है। कहाँ से खरीदा? मेरी ने पूछा। उसने बताया कि उसके पिताजी ने दुकान से खरीदा। मेरी के पिताजी भी क्रिसमस त्यौहार के लिए कपड़ा खरीदकर उसके लिए फ्राक सिलवाया। लक्ष्मी ने तो बना–बनाया फ्राक पहना है! मेरी के पिताजी ने कपड़ा खरीदकर सिलाया है!

यदि तुम होते तो कैसे कपड़े सिलाते?
बिना सिलाये खरीदकर पहने जाने वाले कपड़े कौन–कौन से हैं?

हमारे शरीर को धूप, बारीश, सर्दी से बचाने के लिए कपड़े पहनते हैं। सर्दी के दिनों में सर्दी से बचने के लिए, बारीश के दिनों में बारीश से बचने के लिए, विशेष कपड़े पहनते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। वे कब पहनते हैं, बताओ।

SCERT TELANGANA

हम सभी कपड़े पहनते हैं। यह बहुत जरूरी है। अलग–अलग प्रांत वाले, अलग–अलग धर्म–संप्रदाय के अनुरूप कपड़े पहनते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें कौन पहनते हैं? उनकी विशेषताएँ क्या होती हैं, बताओ।

साधारणतया त्यौहारों, शादियों जैसे अवसरों पर विशेष कपड़े पहने जाते हैं। तुम भी त्यौहार के समय या शुभकार्यों या जन्मदिन के अवसर पर किस तरह के कपड़े पहनते हो? तुम्हारे मित्र भी तुम्हारी तरह ही कपड़े पहनते हैं?

पाठशाला जाने वाले बच्चे विशेष कपड़े या गणावेष (यूनिफार्म) पहनते हैं ! उसी तरह अलग–अलग काम करने वाले लोग, यानी अलग–अलग तरह के पेशे वाले लोग काम करते समय विशेष प्रकार के कपड़े पहनते हैं। पुलिस, डॉक्टर, नर्स, वकील, पाइलट, बड़े–बड़े होटलों के रसोइए विशेष कपड़े पहनते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें कौन पहनता है बताओ।

SCERT TELANGANA

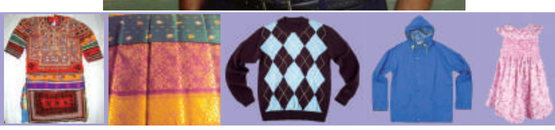

बस चलाने वाले ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर, कारखानों में काम करने वाले कर्मचारी, बैंकों, बड़े-बड़े कंपनियों में काम करने वाले सुरक्षाकर्मी आदि जैसे लोग काम करते समय विशेष कपड़े पहनते हैं। हमारे देश में जिला, राज्य, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अलग-अलग तरह की खेल प्रतियोगिताओं में भी खेलते समय विशेष कपड़े पहने जाते हैं।

बताओ कि तुम्हारे प्रांत में इस तरह काम करने वाले कौन-कौन से लोग रहते हैं? वे किस तरह के कपड़े पहनते हैं?

हम तरह-तरह के कपड़े पहनते हैं, पता हैं न! हमारा कपड़ा पहनना कितना ज़रूरी है उतना ही ज़रूरी साफ कपड़ा पहनना है। अनिवार्य रूप से हर दिन सुबह स्नान करने के बाद धुले हुए साफ कपड़े पहनना चाहिए। हमारे द्वारा उपयोग में लायी जाने वाली दस्ती, तौलिया आदि हर दिन धोना चाहिए।

तुम्हें पता है?

सूती कपड़े कपास के धागे से बुने जाते हैं। रेशम के कीटों से निकलने वाले धागे से रेशमी कपड़े बुने जाते हैं।

पहले कैसे कपड़े पहने जाते थे?

अब हम तरह-तरह के कपड़े पहनते हैं। इनमें कुछ सिलाये होते हैं, और कुछ सीधे-सीधे तैयार किये होते हैं। उन्हीं को रेडिमेड कपड़े के रूप में खरीद रहे हैं। पहले यानी हमारे दादाजी, दादीजी, नानीजी उनके बचपन में किस तरह के कपड़े पहने जाते थे? उसी तरह तुम्हारे माता-पिता बचपन में किस तरह के कपड़े पहनते थे। क्या वे अब छोटे बच्चों द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों के जैसे ही थे? पता लगाओ और तालिका में लिखो।

माता-पिता द्वारा बचपन में पहने गये कपड़े	दादा-दादी द्वारा बचपन में पहने हुए कपड़े	अब छोटे बच्चों द्वारा पहने जाने वाले कपड़े

SCERT TELANGANA

चलो डिजाइन बनाते हैं!

किसी भी रंग के कपड़ों पर डिजाइन होने से वे सुंदर लगने लगते हैं। इन्हीं के आधार पर कपड़े पसंद करते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। वे कैसे हैं बताओ? उनमें तुम्हें कौनसा पसंद आया? और क्यों? बताओ।

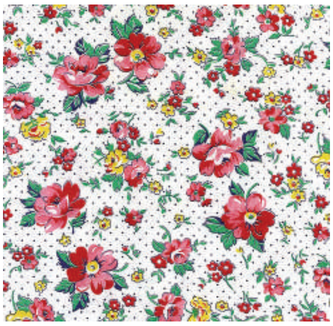

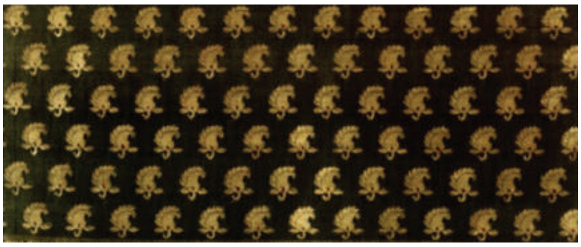

क्या तुम्हें पता है कि हम इस तरह की डिजाइन बना सकते हैं?

डिजाइन बनाना सीखो

तुम्हारे नज़दीकी दर्जी की दुकान पर जाकर कपड़े के टुकड़े जमा करो।

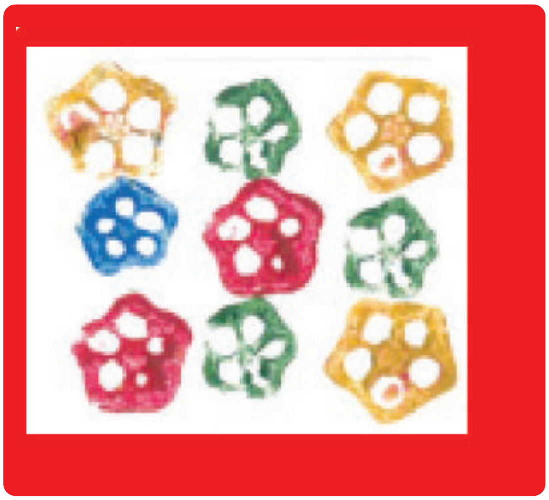

एक भिंडी लेकर आड़े में काटो। कटे हुए टुकड़े को रंग या स्याही में डुबाओ। सफेद कागज़ या कपड़े पर लगाओ। तुम्हारी पसंदीदा डिजाइन बना लो।

इस तरह भिंडी, आलू के टुकड़े या हाथ के अंगूठे और पैर के निशान आदि से भी रंगों में डुबाकर तरह-तरह के डिजाइन बना सकते हैं।

मुख्य शब्द

1.	कपड़ों की आवश्यकता	2.	तरह-तरह के कपड़े	3.	पेशे के अनुसार कपड़े
4.	वातावरण के अनुरूप कपड़े	5.	साफ कपड़े	6.	डिजाइन
7.	रेडिमेड कपड़े	8.	सिलाये जाने वाले कपड़े	9.	गणावेष (यूनिफार्म)

SCERT TELANGANA

हमने क्या सीखा

- कपड़े हमारी मूलभूत आवश्यकता है। बच्चे, बड़े, महिलाएँ, पुरुष तरह-तरह के कपड़े पहनते हैं।
- कुछ लोग रेडिमेड कपड़े खरीदते हैं, तो कुछ लोग कपड़ा खरीदकर सिलाते हैं।
- संप्रदायों के अनुरूप त्यौहारो, शादियों के अवसर पर विशेष कपड़े पहने जाते हैं।
- विभिन्न तरह के पेशे में काम करने वालों को उस पेशे से संबंधित विशेष परिधान पहनने पड़ते हैं।
- वातावरण के अनुरूप विशेष ढंग के कपड़े पहने जाते हैं।
- कपड़ों पर रंगों से तरह-तरह के डिजाइन बनाते हैं।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. हमें कपड़े क्यों पहनना चाहिए?
2. बच्चे, महिलाएँ, पुरुष पहनने वाले कपड़ों के तीन उदाहरण बताओ।
3. किस-किस पेशे के लोग विशेष कपड़े पहनते हैं??
4. पुरुष और स्त्रियों के कपड़ों के बीच क्या अंतर हैं?
5. सिलाये हुए कपड़े, बने बनाये कपड़ों में तुम्हें कौन से कपड़े पसंद हैं, तीन कारण बताओ, लिखो।
6. हमें साफ-सुथरे कपड़े पहनने चाहिए। क्यों?

चित्र उतारो, रंग भरो

1. नीचे दी गयी डिजाइन डदेखो। तुम उतारो। तुम्हारा पसंदीदा रंग भरो।

SCERT TELANGANA

2. तुम्हारी पसंद के कपड़ों के चित्र उतारो। रंग भरो।

3. साड़ियों पर तरह–तरह के डिजाइन होते हैं। तुम भी अपने घर की किसी पसंदीदा साड़ी की डिजाइन देखकर नोटबुक में उतारो। प्रदर्शन करो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम अपने मित्रों से पूछकर त्यौहार के समय पहने जाने वाले कपड़ों की जानकारी इकट्ठा करो और नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	त्यौहार का नाम	कौनसा कपड़ा खरीदा गया?	रेडिमेड कपड़े या सिले–सिलाये कपड़े?

- ✍ अधिकांश लोगों ने कौन से कपड़े खरीदे? किन–किन त्यौहारों पर खरीदा?
- ✍ अधिकांश लोगों ने रेडिमेड कपड़े खरीदा या कपड़ा खरीदकर सिलाया है?

2. तुम्हारी पसंद के डिजाइन के टुकड़े इकट्ठा करो। उन्हें चार्ट पर चिपकाकर कक्षा में दिखाओ।

3. विभिन्न प्रांत के लोगों की वेश–भूषा वाले चित्र समाचार पत्रों से इकट्ठा करो। चार्ट पर चिपकाओ।

प्रशंसा

1. कुछ लोगों के पास पहनने के लिए कपड़े नहीं होते। उसी तरह कुछ लोगों के पास आगजनी, बाढ़, भूकंप, तूफान के कारण भी उनके पास कपड़े नहीं होते। ऐसे लोगों की हम कैसे सहायता कर सकते हैं?

प्रश्न करना

1. कपड़े खरीदने के लिए लक्ष्मी अपने माता–पिता के साथ बाज़ार गयी। लक्ष्मी के माता–पिता ने दुकानदार से कौन–कौन से प्रश्न पूछे होंगे? हमें कपड़े खरीदते समय प्रश्न क्यों करने चाहिए?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	कपड़ों की आवश्यकता बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	तरह–तरह के कपड़ों के बारे में जानकारी को तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	अलग–अलग तरह के पेशे वाले पहनने वाले कपड़ों की ज़रूरत बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	साफ–सुथरे कपड़े पहनना ज़रूरी है, इसीलिए हर दिन साफ कपड़े ही पहनूँगा।	हाँ / नहीं
5.	तरह–तरह के डिजाइन के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	तरह–तरह के कपड़ों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 4

14. मैं यहाँ - आप कहाँ?
(I am here- where are you?)

बिंदु तीसरी कक्षा में पढ़ रही है। बिंदु के साथ राजु, रमा, सतीश इस तरह बहुत सारे बच्चे हैं। वे सभी बेंचों पर क्रम से बैठे हैं। उनकी कक्षा को देखते हैं।

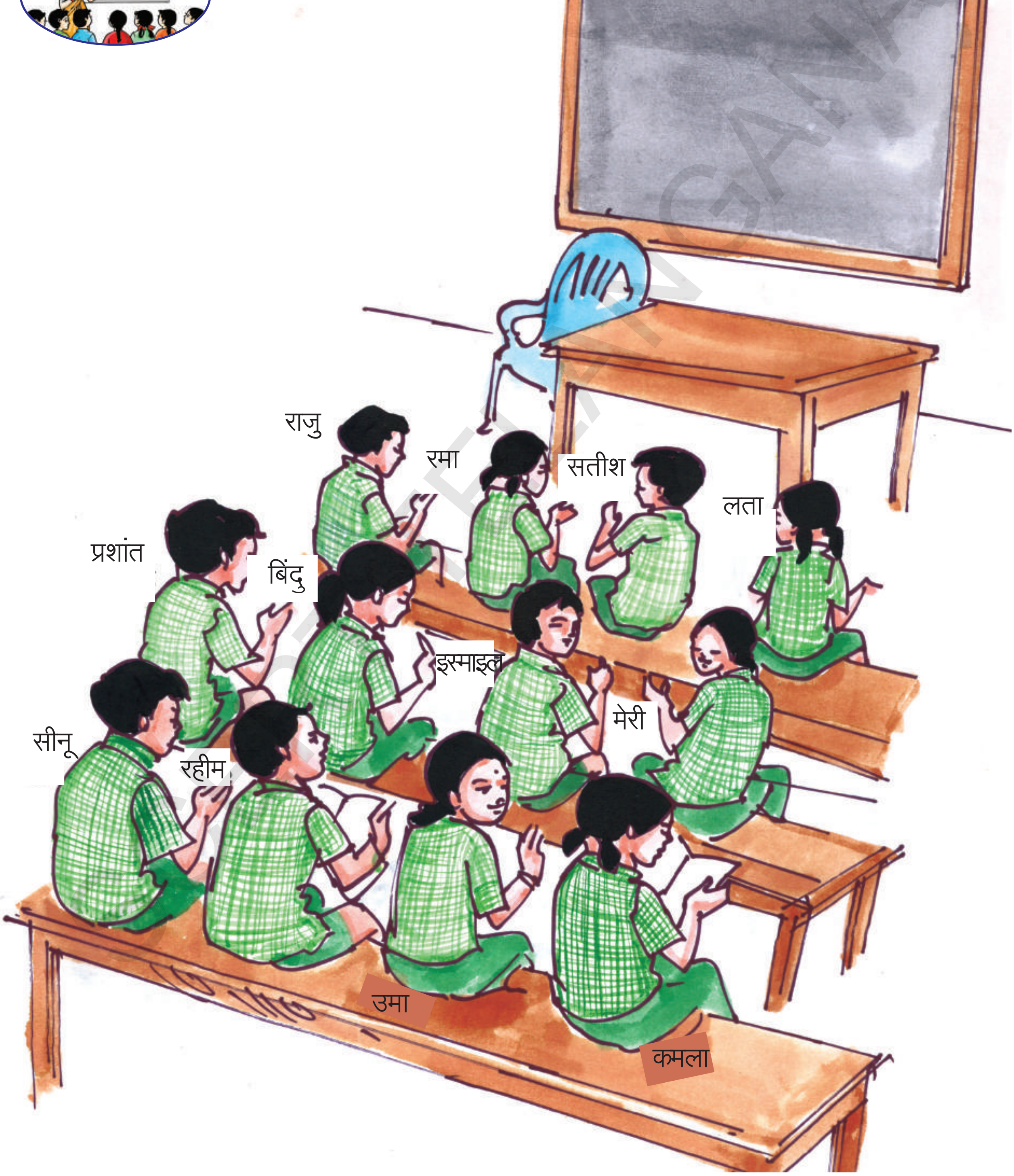

- पहली पंक्ति में कौन बैठे है?
- अंतिम पंक्ति में कौन बैठे हैं?
- बीच वाली पंक्ति में कौन बैठे हैं?

नीचे दी गयी तालिका में नाम लिखो। इनके आगे, पीछे, बाएँ, दांएँ कौन बैठे हैं, तालिका में लिखो।

छात्र का नाम	आगे	पीछे	बाएँ	दांएँ
बिंदु				
मेरी				
इस्माइल				
रहीम				

बिंदु की कक्षा को देखा कौन–कौन कहाँ बैठते हैं, अपने मित्रों से पूछो और चर्चा करो। नीचे दिये चित्र में लिखो।

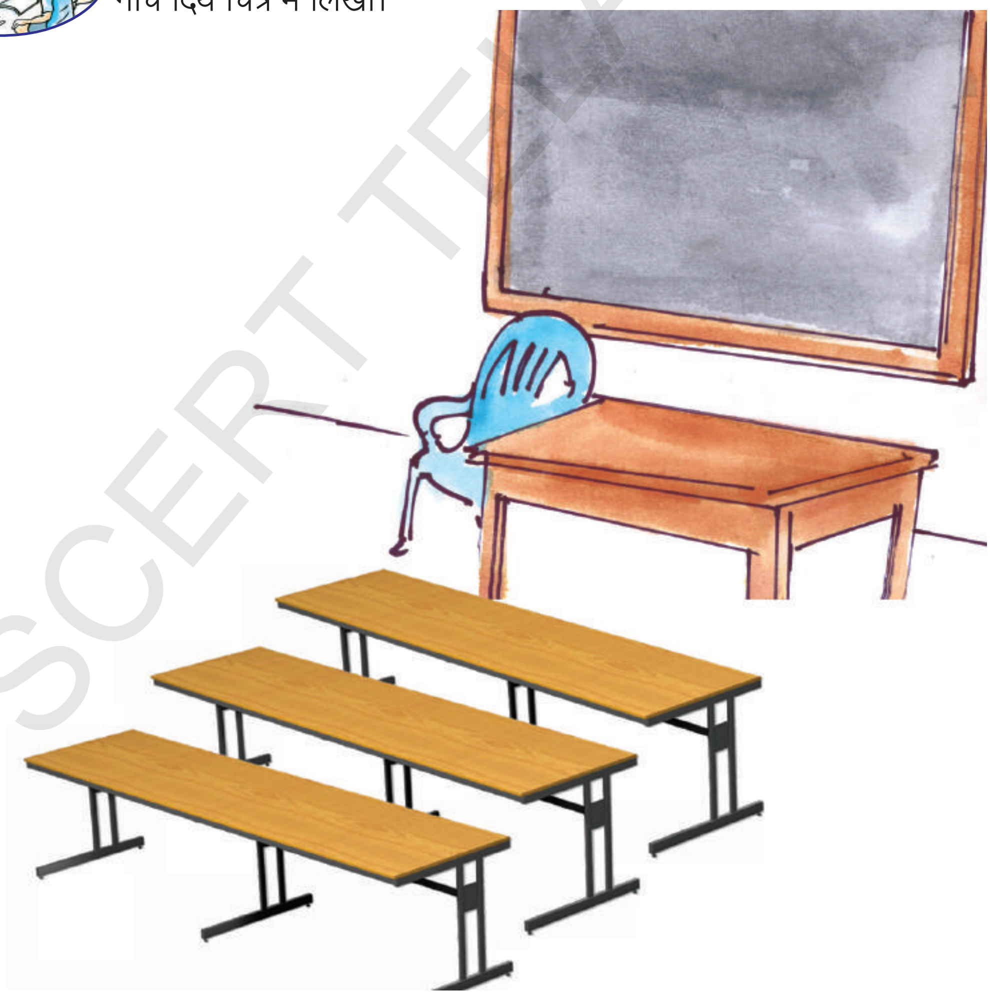

SCERT TELANGANA

बिंदु की कक्षा कैसी है, कौन–कौन कहाँ–कहाँ बैठे हैं लिखा है ना? तो बताओ तुम्हारी कक्षा में कितने छात्र हैं? कौन–कौन कहाँ–कहाँ बैठते हैं, बता सकते हो? नीचे दिया गया वर्ग तुम्हारी कक्षा मान लो। बिंदु की कक्षा की तरह तुम्हारी कक्षा में

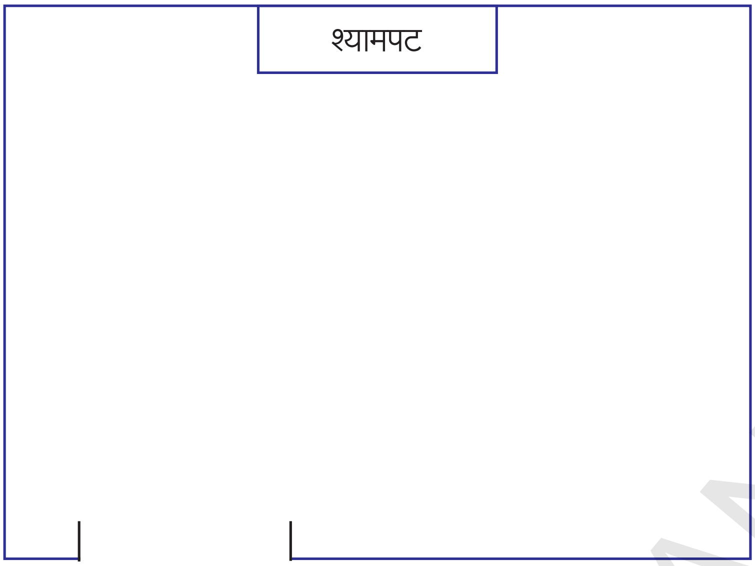

- श्यामपट कहाँ है?
- कुर्सी कहाँ है?
- मेज कहाँ हैं?
- अगली पंक्ति में कौन–कौन बैठे हैं, उनके नाम लिखो। शेष पंक्तियों में बैठेने वालों के नाम लिखो।

तुम्हारी कक्षा में कौन–कौन कहाँ बैठता है, चित्र में देखो। अब हम बिंदु की पाठशाला देखते हैं।

SCERT TELANGANA

बिंदु की पाठशाला के मानचित्र को इस तरह भी खींचा जा सकता है। उस पाठशाला का चित्र देखो।

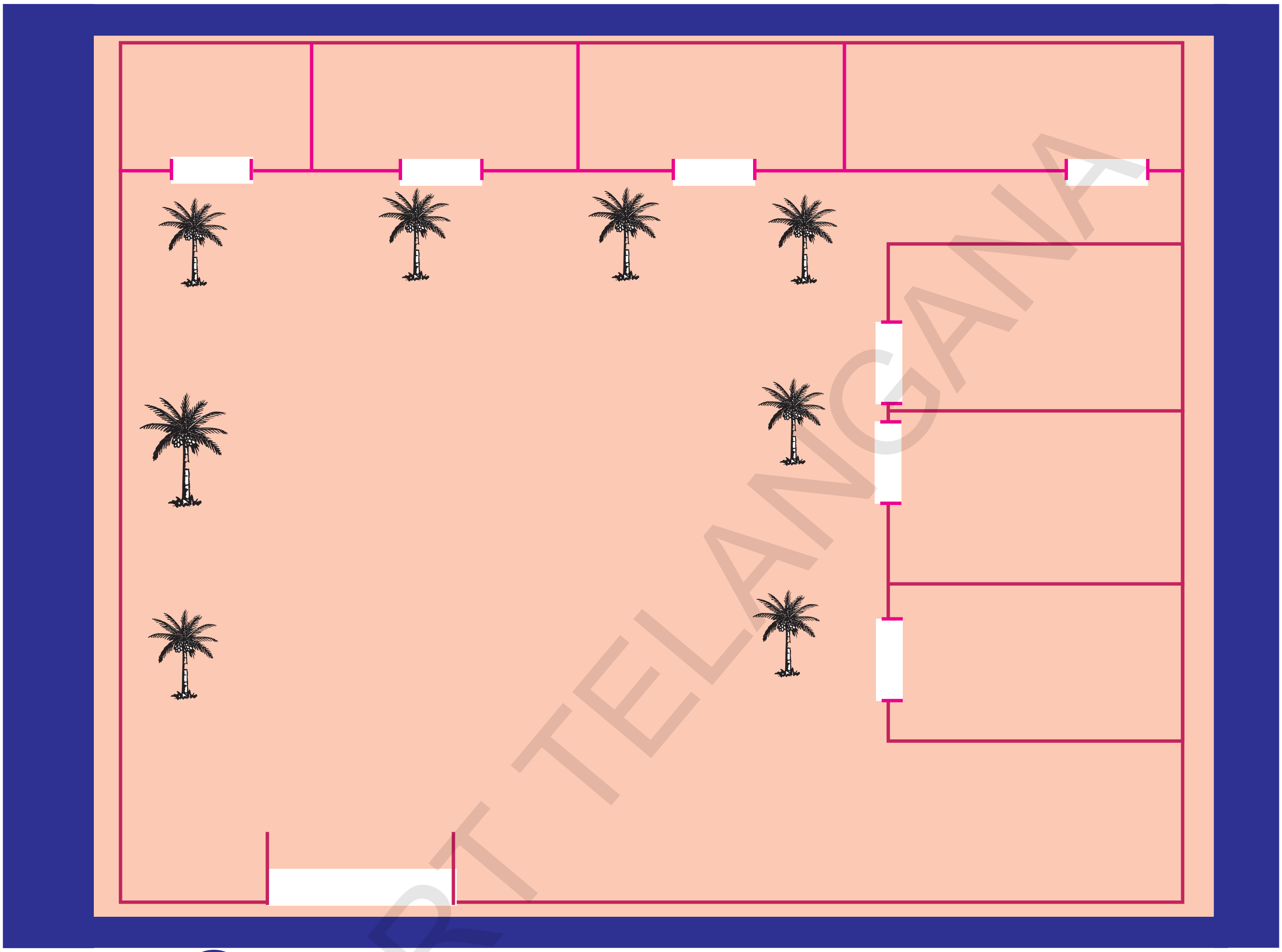

बिंदु की पाठशाला में नीचे सात कमरे, ऊपर भी सात कमरे हैं। इसी तरह खाली स्थान में आठ नारियल के पेड़ हैं। उस पाठशाला के चित्र को ऊपर बताये अनुसार उतार सकते हैं। तो फिर तुम्हारी पाठशाला में कितने कमरे हैं? खाली स्थान में कौनसे पेड़ हैं? कितने पेड़ हैं?

तुम भी अपनी पाठशाला का चित्र ऊपर बताये अनुसार सफेद कागज़ पर उतारो।

उतारने से पहले पेड़ों के लिए एक संकेत बना लो।

कमरे और दरवाजे कहाँ हैं, उसे ऊपर बताये अनुसार उतारो।

पाठशाला के लिए चारदीवारी, फाटक, ध्वजावरोहण स्थल कहाँ है, उसके आधार पर मानचित्र बनाना चाहिए।

SCERT TELANGANA

बिंदु के गाँव में क्या–क्या हैं? उसी तरह बिंदु के घर से पाठशाला आते समय क्या–क्या हैं, पता है? नीचे दिया मानचित्र देखो। तुम्हारे मित्रों से मिलकर चर्चा करो।

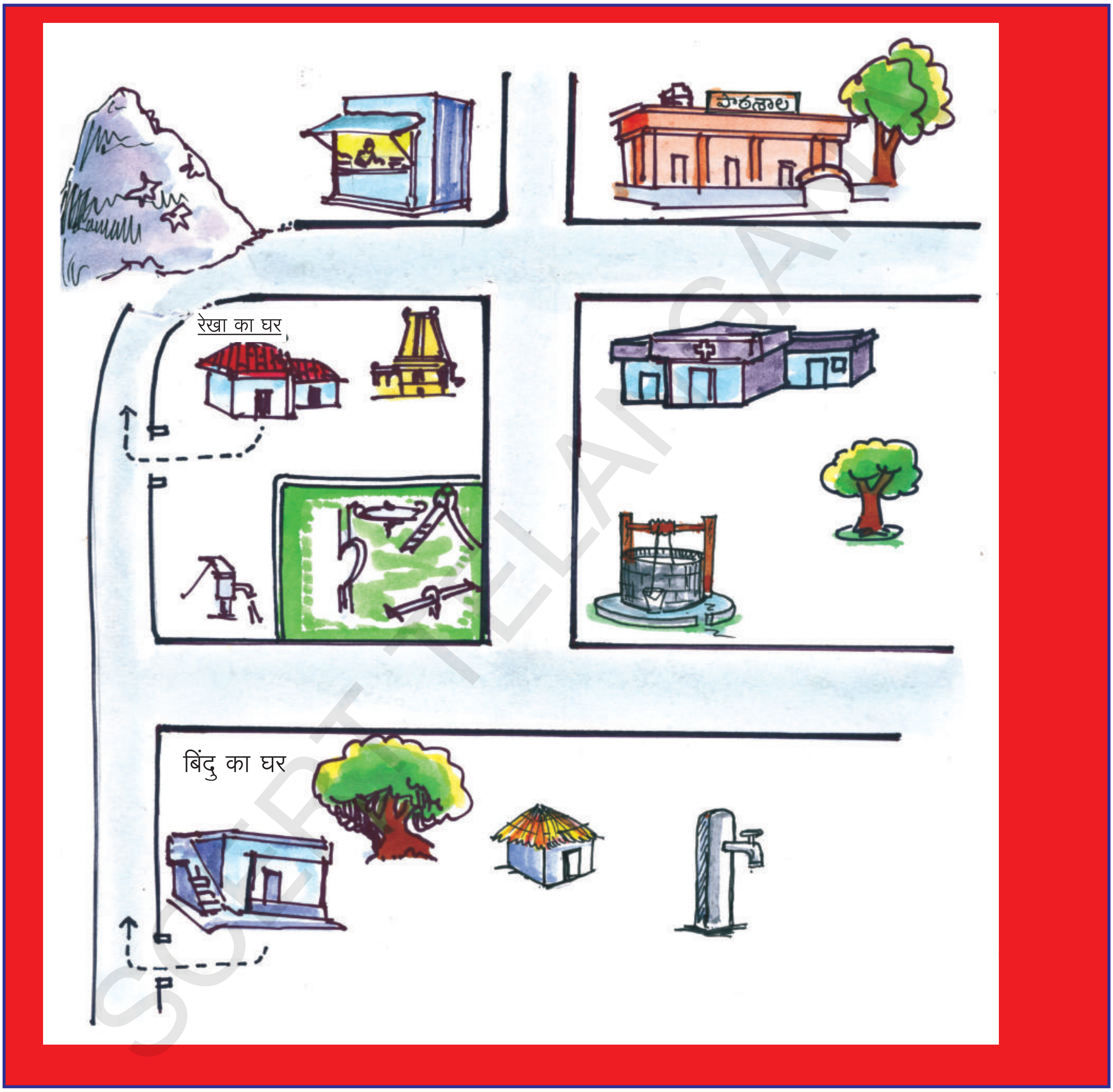

- पाठशाला किसके घर के समीप है? बिंदु के? रेखा के?
- बिंदु पार्क से होते हुए पाठशला जाते समय रास्ते में क्या–क्य़ा हैं?
- बिंदु की पाठशाला को किन–किन रास्तों से जा सकते हैं, रेखा खींचकर बताओ।

एक प्रांत के घर, पाठशाला, अस्पताल, बगीचा, पानी का पंप आदि को उसी तरह एक चित्र में बताना असंभव है। ऐसी चीज़ों को चिन्हों के माध्यम से बता सकते हैं।

नीचे दिये चिन्हों का उपयोग करते हुए बिंदु के गाँव के मानचित्र में क्या–क्या कहाँ–कहाँ हैं, बताओ।

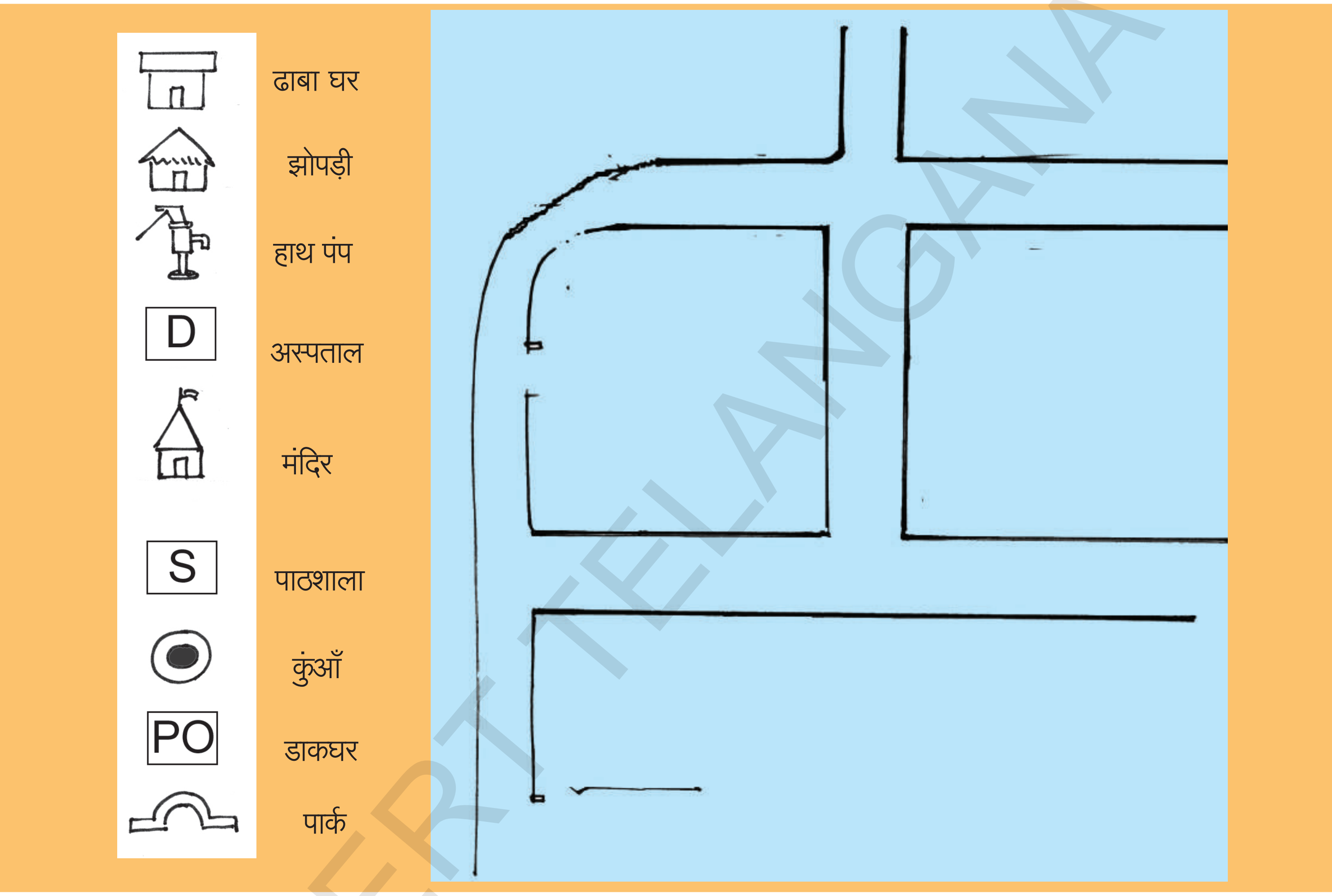

SCERT TELANGANA

बिंदु के गाँव का मानचित्र देखा न! इसमें चिन्हों के माध्यम से बताया गया है। तो फिर तुम्हारे गाँव/बस्ती से पाठशाला पहुँचने के रास्ते को रेखा खींचकर बता सकते हो? इसके लिए नीचे बताए अनुसार करो।

- पहले तो अपनी पाठशाला को पहचानकर उसे यह S चिन्ह लगाओ।
- तुम्हारी पाठशाला से तुम्हारा घर कहाँ है, पहचानो, उन्हें भी 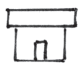 चिन्हित करो।
- उसी तरह तुम्हारे मित्रों के घर भी कहाँ हैं, पहचानो। उन्हें चिन्हित करो।
- अब तुम्हारे घर से तुम्हारी पाठशाला के लिए सड़क / रास्ता उतारो।
- उसी तरह तुम्हारे मित्रों के घर से पाठशाला तक की सड़क उतारो।

✍ अब तुम घर से पाठशाला पहुँचने वाले रास्ते के दाईं और बांईं ओर क्या है, बताओ। अगर पेड़ हो तो चिन्ह लगाओ। मंदिर हो तो चिन्ह लगाओ। मस्जिद हो तो चिन्ह लगाओ। चर्च हो तो चिन्ह लगाओ। डाकघर हो तो PO चिन्ह लगाओ। अस्पताल हो तो चिन्ह लगाओ। पार्क हो तो चिन्ह लगाओ।

तुम्हारी पाठशाला से तुम्हारे घर तक पहुँचने के रास्ते का मानचित्र देखो। इसी तरह तुम्हारे गाँव का चित्र भी उतार सकते हो। उसी तरह तुम्हारे गाँव के बारे में, या किसी भी प्रांत के बारे में चिन्हों की सहायता से बता सकते हो।

मुख्य शब्द

1. मानचित्र	2. प्रांत	3. चिह्न
4. आगे–पीछे	5. मार्ग	

हमने क्या सीखा

- कक्षा कक्ष, पाठशाला, गली, गाँव... इस तरह सभी मानचित्र उतार सकते हैं।
- मानचित्र में पाठशाला, अस्पताल, पार्क जैसी जगह चिह्नों से चिन्हित की जाती है।
- एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए चिन्हों का उपयोग करते हैं।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. तुम्हारे घर से पाठशाला जाते समय क्या किधर हैं?

दाईं ओर..

बांईं ओर..

तुम्हारे घर के किस तरफ किसका घर है बताओ।

दाँई ओर	बांईं ओर	आगे	पीछे

SCERT TELANGANA

S PO

चित्र कौशल

1. चित्र देखो।

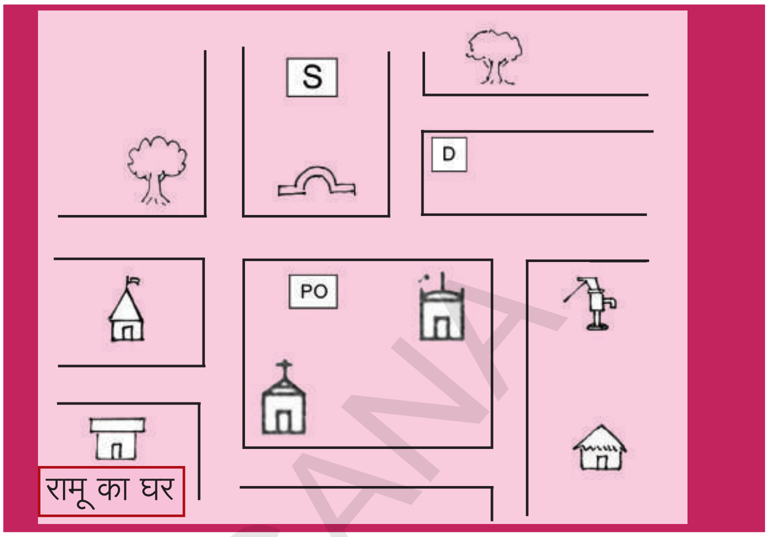

- चिह्नों के आधार पर रामू के गाँव में क्या–क्या हैं, बताओ।
- रामू के घर के सामने से अस्पताल जाने वाले रास्ते को रेखा खींचकर बताओ।
- रामू के घर से पाठशाला जाने वाले रास्ते बताओ।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम्हारे गाँव में / मोहल्ले में क्या–क्या है उसके बारे में जानकारी इकट्ठा करो। (डाकघर, पाठशाला, मंदिर, थाना, बैंक, राशन की दुकान, अस्पताल आदि।) एक–एक के बारे में एक–एक चिह्न का उपयोग करते हुए तुम्हारे गाँव की गलियों, सड़कों को बताओ। गाँव में क्या किधर हैं, चिह्नों के माध्यम से व्यक्त करो। उन्हें लिखो। गाँव का मानचित्र तैयार करें। वे संस्थाएँ क्या काम करते हैं, वे बच्चों को किस तरह सहायक होते हैं? लिखो।

प्रश्न करना

1. बिंदु के मित्र गाँव का मानचित्र उतारना चाहते थे। इसके लिए वे सभी उनके अध्यापक के पास गये। अध्यापक से तरह–तरह के प्रश्न पूछे। उसी तरह तुम भी तुम्हारे गाँव/मोहल्ले का मानचित्र उतारकर अध्यापक से क्या–क्या प्रश्न पूछोगे? लिखो।
2. तुम, किस–किस समय पर अध्यापक की सहायता लेते हैं?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

–	मैं मानचित्र समझ सकता हूँ	हाँ / नहीं
–	मानचित्र में दिखाये जाने वाले चिह्न समझ सकता हूँ।	हाँ / नहीं
–	घर से पाठशाला जाने वाले मार्ग को उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
–	कक्षा, पाठशाला के मानचित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
–	गाँव का मानचित्र उतारने के लिए प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 4

15. पानी – हमारी आवश्यकताएँ
(Water – Our needs)

कक्षा कक्ष में सभी छात्र मिलकर यह गाना गा रहे हैं। तुम भी गाओ और गाने के बारे में बातचीत करो।

रिमझिम–रिमझिम करती बारिश – हल्की बूँदों वाली बारिश,
धरती भीगी लेकर बारीश – इंद्रधनुष क्या आएगा?
काले बादल लेकर नभ में दौड़ी जाय प्यारी बारिश।
हवा की ठंडी लहरों से, गिरती है यह प्यारी बारिश,
लय और ताल, राग अलापे, कितनी प्यारी है यह बारिश,
कुँए, तालाब भरने वाली जल का भंडार है यह बारिश,
सबकी प्यास बुझाने वाली जीवन रूपी है यह बारिश,
प्राणीकोटि के कंठों की प्यास बुझाती है यह बारिश,
सोने जैसी फसलें उपजाये धरती का वरदान है बारिश,
पर्यावरण की हरियाली बनकर खुशियाँ देती हैं बारिश।।

बारिश का पानी कहाँ–कहाँ जाता है?
पानी कहाँ–कहाँ मिलता है?

SCERT TELANGANA

नहरें, नल, कुँए, नदी जैसे पानी के संसाधनों से हमें पानी मिलता है। हम साधारणतया कुँए, नल, नलकूप, नहरों से पानी लाकर बर्तनों में संग्रह कर आवश्यकतानुसार उसका उपयोग करते हैं।

सलीम के घर में पानी संग्रह करने के लिए नीचे दिये गये बर्तनों का उपयोग होता है। इन्हें देखो।

चित्र में दिखाये गये बर्तनों में अगर पानी भरा हो तो–

किसमें अधिक पानी भर सकते हैं?

तुम्हारे घर में पानी भरने के लिए किन–किन बर्तनों का उपयोग करते हैं?

हम अपने घरों में पानी का संग्रह बिंदली, घड़े, बकेट आदि में करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के लिए उनका उपयोग करते हैं।

हमें पानी की आवश्यकता क्यों है?

हम प्रतिदिन सुबह जागने से लेकर रात में सोने तक पानी को कई आवश्यकताओं के लिए उपयोग में लाते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। वे क्या कर रहे हैं?

SCERT TELANGANA

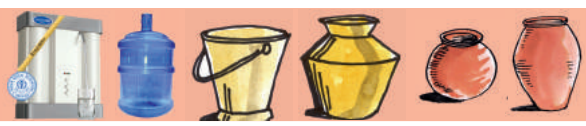

मित्रों से चर्चा कर लिखें कि पानी का उपयोग किस-किस के लिए होता है? किन-किन कामों में पानी की ज़रूरत अधिक होती है और किन-किन कामों में जरूरत कम होती है।

क्या पौधों को जीने के लिए पानी की आवश्यकता है?

हमें पानी ज़रूरी है, पता चल गया तो हमारी तरह और किन्हें पानी की आवश्यकता है? हमारे साथ-साथ पौधों को भी पानी की ज़रूरत है? सोचो और नीचे बताये अनुसार करो।

करो और बताओ।

दो पौधे लो। एक को हर दिन पानी दो। दूसरे को पानी न दो। इस प्रकार एक सप्ताह यह प्रक्रिया करो। बाद में दोनों पौधों को देख परिणाम तालिका में लिखो।

सप्ताह	क्या हुआ?	
	पहला पौधा	दूसरा पौधा
सोमवार		
मंगलवार		
बुधवार		
गुरुवार		
शुक्रवार		
शनिवार		
रविवार		

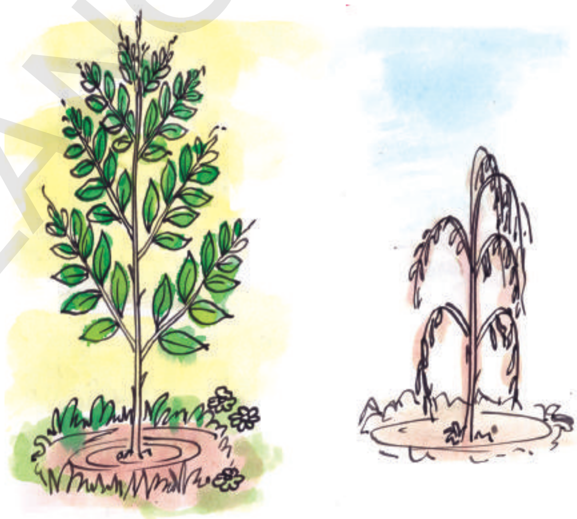

पहला पौधा

दूसरा पौधा

पानी नहीं देने पर पौधे सूख जाते हैं। इसीलिए घरों और पाठशालाओं के पौधों को हर दिन पानी देना चाहिए। तभी पौधे अच्छी तरह बढ़ते हैं और सुंदर दिखते हैं।

सलीम पाठशाला स्वच्छता समिति का सदस्य है। मित्रों के साथ मिलकर उसने गुलाब, मंदार, गनेर जैसे पौधे लाकर लगाये। उन्हें हर दिन पानी से सींचा। कुछ ही दिनों में उन पौधों में फूल खिलने लगे।

प्रार्थना सभा में अध्यापकों ने सलीम की प्रशंसा की। साथ ही पाठशाला के सभी बच्चों से पौधों को पानी देने के लिए कहा।

क्या तुम भी इसी तरह पौधों को पानी से सींच रहे हो? तुम्हारे घर, पाठशाला में पेड़ पौधों को पानी डालो। तुम्हारे द्वारा पानी डाले गए पौधे को अगर फूल खिलते हैं तो तुम्हें कैसा लगता है? बताओ।

SCERT TELANGANA

जानवरों को पानी की आवश्यकता है।

एक दिन मधु किशन के घर गया। किशन के घर में जगह-जगह पानी के बर्तन दिखायी दिये। किशन ने जब उस बर्तन में पानी डाला तो मुर्गियाँ आकर पानी पीने लगीं। मुर्गी के पानी पीने का तरीका मधु को मनमोहक लगा। इससे तुमको क्या पता चलता है? जिस तरह हमें और पौधों को पानी की आवश्यकता होती है, उसी तरह जानवरों को भी पानी की आवश्यकता होती है। कुछ उदाहरणों की सहायता से बताओ। अपने मित्रों के साथ सोचो।

क्या तुम्हें पता है?

ऊँट एक बार पानी पीकर बहुत दिनों तक बिना पानी पिये रह सकता है। जब पानी मिलता है, तो अधिक मात्रा में पानी पीकर उसका संग्रह शरीर में करता है।

- तुमने किन-किन जानवरों को पानी पीते हुए देखा है?
- जानवरों को पानी पीने के अलावा और किन-किन आवश्यकताओं के लिए पानी चाहिए?

पौधों, जानवरों और मनुष्यों को जीने के लिए पानी चाहिए।

हमें कैसा पानी पीना चाहिए?

मधु और किशन पाठशाला में खेल रहे थे। मधु को प्यास लगी। तुरंत जाकर गिलास को घड़े में डुबाना चाहा। किशन ने मधु का हाथ पकड़कर कहा कि इस तरह पानी में हाथ नहीं डालना चाहिए। किशन ने मधु के साथ ऐसा क्यों किया होगा? हाथ में गिलास लेकर उसे सीधे घड़े में डुबोने से क्या होता होगा? सोचो।

करो-बताओ।

किशन दो बड़े काँच के गिलास लाया। दोनों को पानी से भरा। एक गिलास के पानी में उसे हाथ डालने के लिए कहा। मधु ने ऐसा ही किया। क्या हुआ होगा? तुम इस तरह करके देखो। पहले गिलास में अपना हाथ डुबाओ। गिलास में पानी का रंग कैसे बदला? दूसरे गिलास का पानी कैसा है? किस गिलास का पानी गंदा हुआ। यह गंदगी कहाँ से आयी? इससे तुमको क्या पता चला?

SCERT TELANGANA

जब हम खेलते हैं और काम करते हैं तो हमारे हाथों में गंदगी लगती है। हाथों को बिना धोये पीने के पानी में डुबोने से यह गंदगी उसमें चली जाती है। इस तरह का पानी पीने से बीमारियाँ आती हैं। इसलिए धूल–मिट्टी से दूर रहने वाला साफ़ पानी पीना चाहिए। कुएँ, गड्ढ़े, तालाब, नलों में पानी रहता है, यह तो मालूम है।

नीचे दिये गये तालाब का चित्र देखो।

तालाब में कौन–कौन क्या–क्या कर रहा है?
उनके कामों के द्वारा तालाब के पानी का क्या–क्या हो रहा है?
इस तालाब के पानी को पीने से क्या होगा?

तालाबों और कुंओं में कचरा, धूल के साथ कपड़े धोने और बर्तन साफ करने के कारण गंदगी फैलती है। इसके साथ ही हमें हानि पहुँचाने वाले कीटाणु पानी में फैलते हैं। ऐसे पानी को 'गंदा पानी' कहते हैं। इसे 'जल प्रदूषण' भी कहते हैं। ऐसा पानी पीने से उल्टियाँ, दस्त, पीला बुख़ार, हैजा जैसी बीमारियाँ होती हैं।

SCERT TELANGANA

अच्छी आदतें

हमें होने वाली अधिक बीमारियाँ गंदे पानी के पीने से ही होती हैं। इसके लिए हमें कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए। हमें अच्छी आदतें होनी चाहिए। वे क्या हो सकती हैं? सोचकर बताओ।

> घड़े के पानी को डोंगे की सहायता से गिलास में डालकर पीना चाहिए।
>
> गिलास से पानी पीते समय उसे मुँह से नहीं लगाना चाहिए। गिलास ऊपर उठाकर पीना चाहिए।
>
> तालाब और कुंओं का पानी नहीं पीना चाहिए।
>
> पंप और नल द्वारा आने वाले सुरक्षित पानी को ही पीना चाहिए।
>
> छाना हुआ पानी पीना चाहिए।
>
> एक बार उपयोग में लायी गयी प्लास्टिक की बोतल जो मोटी न हो उसमें पानी नहीं पीना चाहिए। प्लास्टिक बोतल के पानी में प्लास्टिक गलकर विषैला पदार्थ बन जाता है। मोटी प्लास्टिक की बोतल में ही पानी लाना चाहिए।

क्या स्वच्छ पानी सभी को मिलता है?

रजनी के घर में नल है। नल से आने वाले पानी का उपयोग केवल वे ही करते हैं। वेंकन्ना के घर में नल नहीं है। वे मोहल्ले के नल से पानी लाते हैं। इस मोहल्ले के नल के आस-पास कैसा है, चित्र में देखो।

> ऐसी जगहों से लाकर पानी पीने से क्या होता है?
>
> मोहल्ले के नलों के पास स्वच्छता रखनी हो तो हमें क्या करना चाहिए?

साधारणतया पानी को घड़े में भरकर रखते हैं। कुछ लोग मटकों में भरकर रखते हैं। क्या तुमने मटके का पानी कभी पिया है? कैसा लगता है? मटके में पानी भरने के एक घंटे बाद उसे देखें। तुमने क्या देखा? पानी ठंडा होता है। रजनी ने मामाजी के घर बिजली की सहायता से पानी साफ करने वाला यंत्र (Water Purifier) देखा।

SCERT TELANGANA

और पूछा कि यह क्यों हैं? यह पानी 'स्वच्छ बनाता है' – रजनी के मामा ने कहा। क्या तुम्हारे गाँव में भी इसी तरह पानी कनस्तरों में लाते हैं? ऐसा क्यों मंगाते हैं? और किन–किन के घरों में पानी साफ करने के ऐसे यंत्र हैं? पता करके बताओ?

पानी में क्लोरिन की दवाई या ब्लीचिंग पाउडर डालने पर कीटाणु मर जाते हैं।

पानी की कमी

रजनी के घर के कुँए से हाथ से पानीखींचा जाता है। रजनी की माँ ने गर्मी के दिनों में कुँए में बाल्टी छोड़ी। किंतु बाल्टी पानी तक नहीं पहुँची। क्योंकि रस्सी कम पड़ गयी। माँ ने रजनी से रस्सी लाने के लिए कहा। रजनी ने आश्चर्य से पूछा– रस्सी तो है न? फिर क्यों रस्सी चाहिए? माँ ने उत्तर दिया कि यह गर्मी के दिन हैं, पानी गहराई में चला गया। बाल्टी पानी तक नहीं पहुँच रही है।

> इस तरह कुँए का पानी अंदर क्यों चला गया?
> किस मौसम में कुँए का पानी कम होता है और क्यों?

गर्मी के दिनों में कुँए और तालाब सूख जाते हैं। नलकूपों का भी पानी कम हो जाता है। गाँव के लोगों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार पानी नहीं मिलता। इस तरह की स्थिति को 'पानी की कमी' या 'पानी की समस्या' कहते हैं। ऐसे गाँवों को सरकार ही टैंकरों द्वारा पानी भेजती है। क्या तुम्हारे गाँव में ऐसा कभी हुआ? टैंकरों से कभी पानी लाया गया क्यों लाया गया? और किन–किन परिस्थितियों में टैंकरों से पानी लाया जाता है?

SCERT TELANGANA

अगर गर्मी में पानी न मिले तो क्या–क्या समस्याएँ होती हैं?
गर्मी में पानी की कमी को दूर करने के लिए क्या–क्या करना चाहिए?

पानी की बचत

रहीम गर्मियों की छुट्टियों में हैदराबाद आया। उसने चाचाजी के घर के पिछवाड़े में गड्ढ़ा देखा "यह किस लिए है?" यह गड्ढ़ा बरसात का पानी संग्रह करता है। बारीश के दिनों में बरसे पानी को इस गड्ढे की ओर मोड़ देने पर भूमि में पानी का स्तर बढ़ता है। रहीम के चाचा ने कहा कि भूमि में पानी का स्तर बढ़ाना जितना ज़रूरी है उतना ही उसका बचत कर इस्तेमाल करना भी है। बचत के साथ पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। अब तुम्हें पता चल ही गया होगा कि पानी की बचत करनी चाहिए। नीचे दिये चित्र देखो। इससे तुम क्या समझते हो?

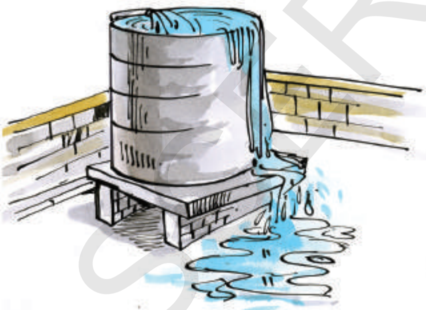

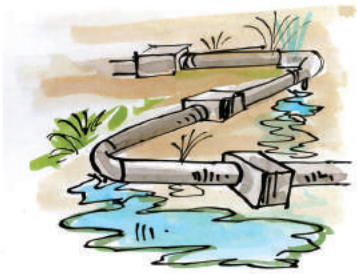

पहले चित्र में पानी क्या हो रहा है? ऐसा क्यों हो रहा है। दूसरे चित्र में क्या हो रहा है? इस तरह पानी कब–कब बर्बाद होता है? तीसरा चित्र देखो पानी किस तरह बर्बाद हो रहा है? इससे किसका नुकसान हो रहा है? ऐसी स्थिति में पानी को बर्बाद होने से कैसे रोका जा सकता है?

SCERT TELANGANA

पानी हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है। हमारे जीवन के लिए पानी ज़रूरी है। ऐसे पानी को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। पानी की बचत करनी चाहिए। स्वच्छ पानी ही पीना चाहिए। प्रदूषित पानी पीने से बीमारियों आती हैं।

पानी की बर्बादी रोकें – पानी की बचत करें – यह हमारा कर्त्तव्य है।

मुख्य शब्द

1.	पानी जमा करना	2.	पानी के उपयोग	3.	स्वच्छ पानी
4	प्रदूषित पानी	5.	पानी बर्बाद करना	6.	जल संचय गड्ढ़े

हमने क्या सीखा

– झील, नहर, कुएँ, तालाब, नदियाँ जैसे पानी के स्रोत से पानी प्राप्त होता है।

– पीने, कपड़े धोने, बर्तन मांजने, स्नान करने जैसे कार्यों के लिए पानी का उपयोग करते हैं।

– जीव–जंतु, पौधे के जीने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।

– सामान्यतया पानी घड़े, बाल्टी, मटके, नांद, टंकी में जमा किया जाता है।

– प्रदूषित पानी पीने से कई तरह की बीमारियाँ होती हैं।

– पानी संभालकर उपयोग करना चाहिए। साफ पानी ही पीना चाहिए।

– पाइप, टंकी, नलों का पानी बेकार न हो, इसका ध्यान रखना चाहिए।

इन्हें करो।

विषय की समझ

1. पानी न होने पर क्या होगा?
2. पानी के स्रोतों के कुछ उदाहरण दो। तुम्हारे प्राँत में कौनसे पानी के स्रोत हैं?
3. तुम्हारे घर में पानी किसमें जमा करते हैं?
4. तुम्हारे घर में कब–कब पानी बेकार होता है? इसे रोकने के लिए तुम क्या करोगे?
5. तुम्हारे परिसर में पानी कहाँ–कहाँ बर्बाद हो रहा है, उदाहरण दो।
6. तालाब और नल के पानी में कौनसा पानी पीने के लिए अच्छा होता है? क्यों?
7. पानी की बचत करनी चाहिए। इसके लिए तुम्हारे द्वारा किये जाने वाले कोई पाँच काम बताओ।

SCERT TELANGANA

8. हम सभी को स्वच्छ पानी पीना चाहिए। क्यों कि ....।

9. कुछ प्राँतों में पीने, अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए टैंकरों से पानी भेजा जाता है। उस प्रांत के लोगों को पानी का उपयोग कैसा करना चाहिए?

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. तुम्हारे घर में पानी किस में जमा करते हैं? उनके चित्र उतारो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. हम प्रतिदिन पानी पीते हैं। कितनी बार पीते हैं, मालूम करना चाहते हो! तो इस तरह करो। तुम सुबह से लेकर सोने से पहले रात तक कितने गिलास पानी पीते हैं, गिनो। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

पानी पीने का समय	कितने गिलास पानी पिया

SCERT TELANGANA

– कुल कितने गिलास पानी पिया?

– किस समय अधिक बार पानी पिया?

– तुम्हारी तरह तुम्हारे मित्रों ने भी लिखा। वे कितने गिलास पानी पीते हैं, पता लगाओ।

– तुमसे अधिक पानी पीने वाला कौन है?

– तुम से कम पानी पीने वाला कौन है? सबसे ज्यादा किसने पानी पिया?

– सबसे कम पानी किसने पिया?

प्रशंसा

लता एक दिन खेलने के लिए अपनी सहेली के घर जा रही थी। रास्ते में कुछ लोग नल के पास कपड़े धो रहे थे। यह देखकर लता ने नल बंद किया और पानी बर्बाद न करने के लिए कहा। लता ने जो किया क्या वह ठीक है या नहीं? क्यों?

प्रश्न करना

1. सोमू ने पानी की बचत और स्वच्छता के बारे में मालूम करना चाहा। इसके लिए अपने अध्यापक के पास गया। सोमू अपने अध्यापक से कौन–कौन से प्रश्न पूछे होंगे? अध्यापक ने क्या उत्तर दिया होगा?

2. जंगु एक बार हैदराबाद गया। वहाँ टैंकरों के माध्यम से पानी लाते हुए देखा। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ। टैंकरों में पानी लाने की क्या आवश्यकता है? वहीं पास में खड़े हुसैन के दादाजी से पूछा। जंगु ने क्या पूछा होगा? अगर तुम होते तो क्या पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. हमें किन–किन स्रोतों से पानी प्राप्त होता है, उनके बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2. पानी किस तरह गंदा होता है, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3. पानी की बचत कैसे और क्यों करना है, के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4. हमारे प्रांत के पानी स्रोतों की पहचान कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5. पानी की बर्बादी, बचत के बारे में प्रश्न कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

16. गाँव चलें!
(Let's go to Village)

अब्दुल्ला अपने सगे–संबंधियों के घर में शादी के लिए माँ, पिता के साथ मिलकर मुंबई के लिए निकला। वे सभी मिलकर घर से रेलवे स्टेशन में पहुँचे। प्लाटफार्म पर मुंबई जाने वाली खड़ी है। अब्दुल्ला, अपने माता–पिता के साथ मुंबई जाने वाली चढ़ा। रेल में रातभर यात्रा कर सुबह मुंबई पहुँचे। रेलवे स्टेशन के पास वाले सगे–संबंधियों के घर में गये। सुबह अमेरिका से शादी के लिए आ रहे उनके मामाजी से मिलने में हवाई अड्डे पर पहुँचे। वहाँ देखा। से उतरे मामाजी के साथ सभी में घर पहुँचे। शाम में समुद्र के मध्य स्थित एलिफेंटा गुफा पहुँचे। अगले दिन शादी धूम–धाम से हुई। शादी का सामान में लादकर सभी लौटने लगे।

SCERT TELANGANA

यात्रा किसे कहते हैं?

अब्दुल्ला ने किन–किन वाहनों में यात्रा की?

कौन–कौन से वाहन देखे?

ऊपर दिये गये वाहनों में तुमने कौन–कौन से वाहन देखे हैं? किनमें यात्रा की है?

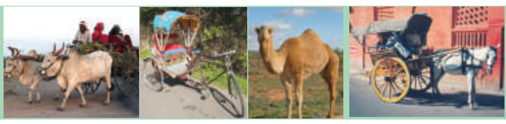

अब्दुल्ला ने कौन–कौन से वाहन देखे, किन–किन वाहनों में यात्रा की हमने देखा। वाहन एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने में सहायता करते हैं। इसमें यात्रा कर हम जहाँ जाना चाहते हैं, वहाँ पहुँच जाते हैं।

अब तक हमने तरह–तरह के वाहनों के बारे में मालूम किया। इनमें कुछ पानी में यात्रा करते हैं, कुछ हवा में यात्रा करते हैं और कुछ ज़मीन पर यात्रा करते हैं। नीचे दिये गये चित्र को देखो। वे कहाँ–कहाँ यात्रा कर रहे हैं, बताओ।

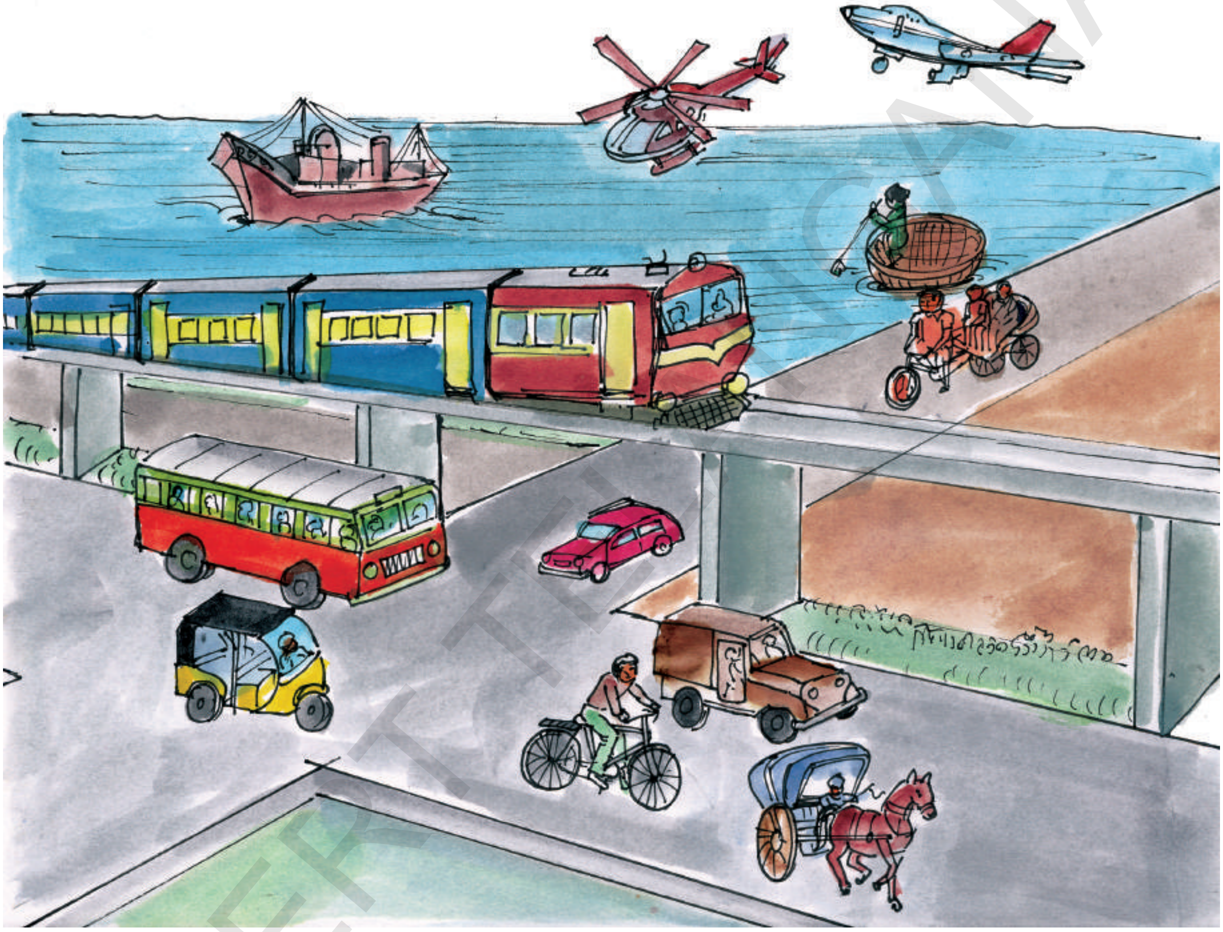

SCERT TELANGANA

ज़मीन पर चलने वाले, पानी में चलने वाले, हवा में उड़ने वाले वाहनों के बारे में तुम्हें पता है? उनके नाम नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

सड़क पर चलने वाली	पानी पर तैरने वाले	हवा में उड़ने वाले

तुम्हारे गाँव में किस तरह के वाहन हैं?

नीचे दिये चित्र देखो। इसमें तुम्हारे गाँव में उपयोग किये जाने वाले साधनों पर रंग भरो।

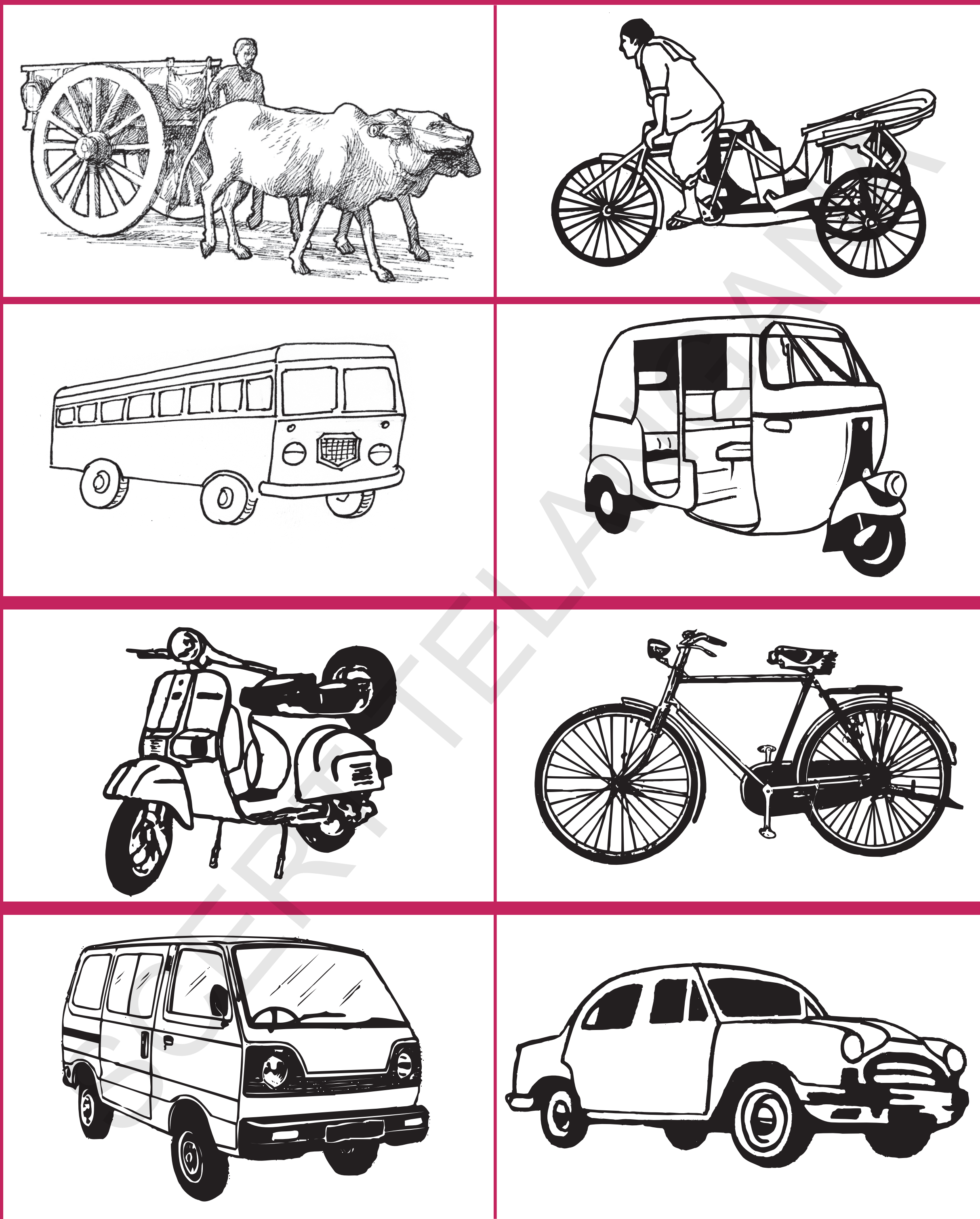

SCERT TELANGANA

तुम्हारे गाँव में किन वाहनों का उपयोग किया जा रहा है, दिया गया है। इनके अलावा तुम्हारे गाँव में किन वाहनों का उपयोग किया जाता है?

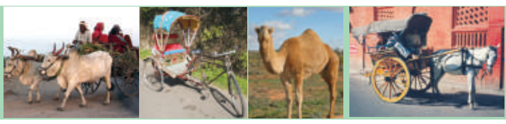

तुम जिस स्थान पर रहते हो उस स्थान से नज़दीकी प्राँत जाने के लिए किसका उपयोग करते हो? दूर वाले गाँव को जाने के लिए किसमें जाते हैं? बहुत दूर वाले प्राँतों को किसमें जाते हैं, बताओ। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

नज़दीकी प्राँत जाने के लिए	दूर प्राँत जाने के लिए	बहुत दूर प्राँत जाने के लिए

यात्रा की जाने वाली दूरी, आवश्यकता के अनुसार अलग–अलग तरह के वाहनों का उपयोग करते हैं। नज़दीकी प्राँतों के लिए पैदल जाते हैं। साइकिल, ऑटो, रिक्शा, घोड़ा–गाड़ी, आदि वाहनों पर जाते हैं। दूरस्थ प्रांतों को बस, रेल, कार, मोटर साइकिल, जीप, जैसे वाहनों में जाते हैं। बहुत दूर प्राँतों को, विदेशों को हवाई जहाज में, पानी के जहाज में यात्रा करते हैं।

सूरारम गाँव जंगलों के समीप है। उस गाँव के लोग कभी–कभी जंगल जाते रहते हैं। चिकनी गोंद, शहद, रीठा आदि के लिए जंगल जाते हैं। किंतु जंगल जाने के लिए सड़क नहीं है।

वे जंगल कैसे जाते हैं, सोचो।

सूरारम गाँव को बस भी जाती हैं। सूरारम से और दूरी पर स्थित गाँवों में सड़क की सुविधा न होने के कारण बस की सुविधा नहीं है। अतः ऐसे गाँवों को कैसे जाते हैं? शिवरात्रि के अवसर पर सारा सूरारम गाँव शिव जी के दर्शन हेतु मल्लन्ना जातरा पर जाना चाहता हैं। इसके लिए उन्होंने एक बस भी भाड़े पर लिया। बस में सभी शिवरात्री को मल्लन्ना जातरा में कोमरवेल्ली जाकर आए।

किन परिस्थितियों में विशेष बस भाड़े पर ली जाती है?

यदि उस गाँव में बस न हो तो कैसे जाते हैं?

सूरारम जैसे और कई गाँव हैं। ऐसे गाँवों में यात्रा की सुविधाएँ क्या होती हैं? उसी तरह कुछ गाँवों में बसें भी नहीं आती। ऐसी स्थिति में उस गाँव के लोग यात्रा कैसे करते होंगे? नीचे दिये गये यातायात के साधनों के बारे में पढ़ो। उनमें कौन– सा साधन उपयोग में लाया जाता है, सोचकर बताओ।

साइकिल	बैलगाड़ी	ऑटो	स्कूटर	ट्रैक्टर	रिक्शा
जीप	बस	वैन	लॉरी	बस	नाव

SCERT TELANGANA

जंगलों में घूमने के लिए उपयोगी	बिना सड़कों वाले गाँवों में जाने के लिए उपयोगी	बिना बसों वाले प्रांतों से अन्य गाँव जाने के लिए	मेले, शादियों में जाने के लिए उपयोगी

हर गाँव में रहने वालों को यात्रा करने के लिए तरह–तरह के वाहनों की आवश्यकता होती है। बहुत से गाँवों में सड़क की सुविधा है। ऐसे गाँवों में बसें आती हैं। बसों से दूसरे गाँव जाते हैं। बिना सड़क वाले गाँवों में बस की सुविधा नहीं होती। तब वहाँ जाने के लिए बैलगाड़ी, साइकिल, मोटर साइकिल, ऑटो, जीप आदि का उपयोग करते हैं।

गाड़ी खींचने के लिए बैलों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ गाड़ियों को खींचने के लिए घोड़े भी काम आते हैं। हाथी, गधे, ऊँट भी यात्रा के लिए काम आते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें तुमने कभी देखा?

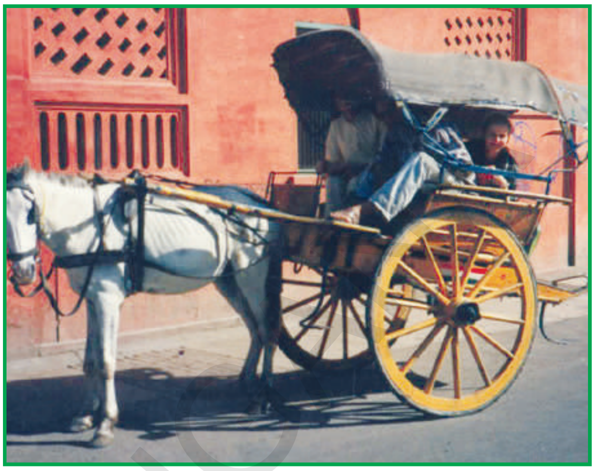

इस बीच बैलगाड़ी, घोड़ागाड़ी का इस्तेमाल कम हो गया है। क्यों, बताओ।

कुछ गाँवों में शादियों में जाने के लिए बस, वैन, लॉरी, ट्रैक्टर आदि का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ गाँवों में अभी भी बैलगाड़ी से एक गाँव से दूसरे गाँव जाते हैं।

तुम्हारे गाँव में शादी, मेले जैसे कार्यक्रमों के लिए किस पर जाते हैं?

कुछ गाँव के लोग उनके गाँव में कुछ काम न होने के कारण दूसरे गाँवों को स्थानांतरित हो जाते हैं। ऐसे लोग अपने लिए ज़रूरी समझने वाली वस्तुएँ साथ में ले जाते हैं। इसके लिए बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, वैन आदि पर जाते हैं। कुछ प्रांतों में नाव पर भी यात्रा की जाती है।

इस तरह सफर कर सकते हैं?

नीचे दिये चित्र देखो। वे किसमें यात्रा कर रहे हैं? ऐसी यात्रा करने से क्या हो सकता है? सोचकर बताओ।

ओ।

ऐस

इसके द्वारा तुमने क्या सीखा? बताओ। चित्रों में बताये अनुसार यात्रा करने से प्राणाघात का खतरा बना रहता है। इस तरह की यात्रा नहीं करनी चाहिए।

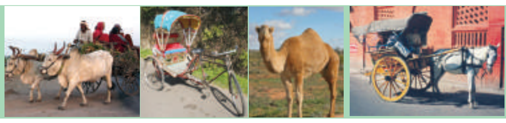

अब दिखायी देने वाले वाहन क्या पहले भी थे?

अब ऑटो, स्कूटर, साइकिल, बस, रेल, हवाई जहाज, नाव आदि का उपयोग यात्रा के लिए कर रहे हैं। क्या ये पहले भी थे? इनके न होने पर पहले कैसे यात्रा करते थे? तुम अपने गाँव के बड़े लोग या दादाजी या बूढ़ों से, नाना–नानी इस तरह किसी से भी पूछो। वे अपने बचपन में कहीं जाने के लिए कैसे यात्रा करते थे? पता करके लिखो।

क्या तुम इस तरह कर सकते हो?

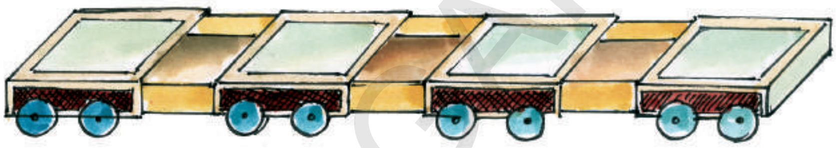

कुछ खाली माचीस की डिबिया लो। सभी माचीस की डिबियों को धागे अथवा तार से बाँधों। हर डिबिया को इंजक्शन शीशे के मुँह पर लगाये जाने वाले रबड़ के ढक्कन लगाओ। आगेवाली माचीस की डिबिया को धागे से बाँधकर खींचते हुए जाओ। डिबिया वाली रेलगाड़ी से खेलो। डिबिया को छोड़कर और किससे इस तरह से बनाया जा सकता है? करके देखो।

मुख्य शब्द

1.	यात्रा	2.	यात्रा के साधन	3.	वाहन
4.	हवा में यात्रा करने वाले	5.	पानी पर चलने वाली	6.	जमीन पर चलने वाले
7.	यात्रा के लिए जानवर	8.	यात्रा में खतरे	9.	प्राचिन काल के यातायात साधन

हमने क्या सीखा

- एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए वाहनों का उपयोग करते हैं।
- यात्रा के लिए बस, ऑटो, रेल, हवाई जहाज, नाव जैसे साधनों का उपयोग करते हैं।
- बैलगाड़ी, घोड़ागाड़ी का भी इस्तेमाल करते हैं। उसी तरह ऊँट, गंधे, हाथी का भी जहाँ–तहाँ इस्तेमाल किया जाता है। किंतु अब इनका उपयोग कम हो गया है।
- यात्रा करने की दूरी के हिसाब से विभिन्न तरह के वाहनों का उपयोग किया जाता है।
- भीड़–भाड़ वाले वाहनों, ऑटो में यात्रा करना प्राणघातक होता है। उसी तरह निजी वाहनों जैसे जीप, ट्रैक्टर, लॉरी आदि में यात्रा नहीं करनी चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. यात्रा किसे कहते हैं? तुमने किन–किन वाहनों में यात्रा की है?

2. नीचे दिये वाहनों के नाम पढ़ो। उन्हें तालिका में लिखो।

   लॉरी, बस, ऑटो, रेल, ट्राली ऑटो, हवाई जहाज, नाव, घोड़ा, बैलगाड़ी, हेलिकॉप्टर, जीप, घोड़ागाड़ी, गधा, साइकिल, रिक्शा, ऊँट, हाथी, ट्रैक्टर।

ज़मीन पर चलने वाली	पानी पर चलने वाली	हवा में चलने वाले

3. साइकिल, मोटर साइकिल के बीच क्या अंतर है? बताओ।

4. किन–किन जानवरों का इस्तेमाल यात्रा के लिए किया जाता है?

5. चित्र देखो।

चित्र में दिखाये अनुसार यात्रा करना प्राणघातक है। क्योंकि..

....

....

....

TELANGANA

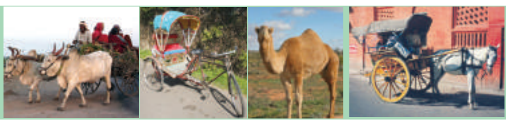

चित्र उतारो–रंग भरो

1. तुम्हारी पसंद के किन्हीं दो वाहनों के चित्र उतारो। नाम लिखो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. रविवार के दिन एक घंटा तुम्हारी गली में घूमने वाले वाहन देखो। उनकी सूची तालिका में लिखो।

घूमे गये वाहन का नाम	घूमे हुए वाहन की संख्या

✍ कौन–कौन से वाहन अधिक घूमे? कौनसे वाहन कम घूमे?

2. चिकनी मिट्‌टी, लकड़ी के टुकड़े, गत्ते के टुकड़े से बस / गाड़ी बनाओ। प्रदर्शन करो।

प्रशंसा

1. यात्रा के लिए वाहनों का ही नहीं बल्कि जानवरों का भी उपयोग हो रहा है। उनके प्रति हमें कैसे रहना चाहिए?
2. तुम्हारी कक्षा में कौन अच्छी तरह से बस / गाड़ी का चित्र उतारा वे तुम्हें क्यों अच्छे लगे?

प्रश्न करना

1. पहले यात्रा किसमें की जाती थी इसका पता लगाने के लिए अब्दुल्ला दादाजी के पास गया। दादाजी से क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	हमारे प्रांत में घूमने वाले वाहनों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	यात्रा साधनों के बारे में बता सकता हूँ, तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	वाहनों के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	किन संदर्भों में वाहनों का उपयोग करते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	यात्रा के लिए किन–किन जानवरों का इस्तेमाल करते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	यात्रा साधनों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA